RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:242। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 24 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

यूपी बोर्डः 10वीं-12वीं के नतीजे जारी

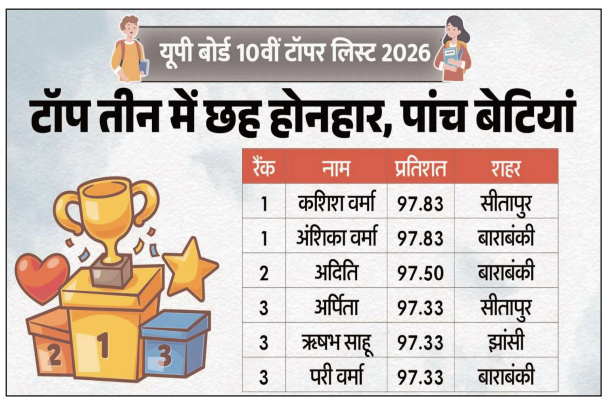

रैंक	नाम	प्रतिशत	शहर
1	कशिश वर्मा	97.83	सीतापुर
1	अंशिका वर्मा	97.83	बाराबंकी
2	अदिति	97.50	बाराबंकी
3	अर्पिता	97.33	सीतापुर
3	ऋषभ साहू	97.33	झांसी
3	परी वर्मा	97.33	बाराबंकी

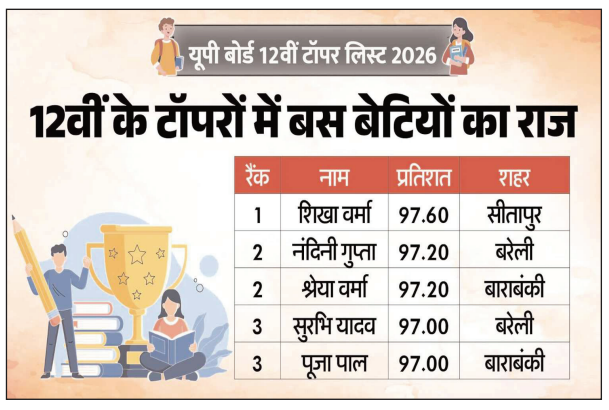

रैंक	नाम	प्रतिशत	शहर
1	शिखा वर्मा	97.60	सीतापुर
2	नंदिनी गुप्ता	97.20	बरेली
2	श्रेया वर्मा	97.20	बाराबंकी
3	सुरभि यादव	97.00	बरेली
3	पूजा पाल	97.00	बाराबंकी

10वीं-12वीं के 11 टॉपर्स में पांच बाराबंकी से

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (PMSP) आज शाम 4 बजे कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित किए। रिजल्ट की घोषणा बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज से की गई। उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ-साथ बोर्ड 10वीं और 12वीं में टॉप करने वाले विद्यार्थियों की सूची भी जारी हो गई है। इस वर्ष 10वीं में कशिश वर्मा और अंशिका वर्मा ने संयुक्त रूप टॉप किया है। वहीं, 12वीं में शिखा वर्मा ने 97.60फीसदी अंक लाकर टॉप किया है। इस बार 80.38 फीसदी विद्यार्थियों ने किया पास।

यूपी बोर्ड के टॉपर को मिलेगा इनाम और सम्मान

यूपी बोर्ड की परीक्षा में टॉप करने वाले छात्रों को प्रदेश सरकार की ओर से सम्मानित भी किया जाता है। टॉपर्स को सरकार एक लाख रुपये नकद पुरस्कार राशि, लैपटॉप और प्रमाण-पत्र से सम्मानित करती है। स्टेट टॉपर के साथ-साथ जिले में टॉप करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार राशि के साथ 21,000 रुपये और प्रमाण-पत्र दिया जाता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

प्रवक्ता जायसवाल ने कहा-2030 तक 500 अरब डॉलर के लक्ष्य पर नजर

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की कवायद तेज हो गई है। हाल ही में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका का दौरा किया, जहां व्यापार समझौते को लेकर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देश एक संतुलित समझौते की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत से एक टीम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए वाशिंगटन गई थी। ये बातचीत अभी भी जारी है और काफी सकारात्मक है। दोनों पक्ष एक संतुलित, आपसी फायदे वाले और भविष्य-उन्मुखी व्यापार समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं। 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल करना है।'

नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती : सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती है। करने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो और नीयत भी उसी के अनुरूप हो तो परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई देती हैं। गोरखपुर में नौ वर्षों के अंदर आया विकासपरक परिवर्तन इसका प्रमाण है। सीएम योगी गुरुवार पूर्वाह्न राप्ती नदी के एकला बंधा पर लिगेसी वेस्ट का निस्तारण कर बनाए गए ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क सहित विकास की 1055 करोड़ रुपये की लागत वाली 497 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता टूलकिट और कैलेंडर का अनावरण कर स्वच्छ स्कूल अभियान का भी शुभारंभ किया। लोकार्पण-शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अच्छा करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है।

उन्होंने एकला बंधा पर ईको पार्क के रूप में हुए नए कायाकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी या लखनऊ की तरफ से गोरखपुर प्रवेश करते ही सबसे पहला मुकाबला कचरे से होता था। बहुत भद्दा और बहुत बुरा लगता था। पर, करने की इच्छाशक्ति से धीरे-धीरे परिवर्तन होता गया।

चंबा-कोटीकॉलोनी मार्ग पर वाहन खाई में गिरा

अंतिम संस्कार के लौट रहे आठ लोगों की मौके पर मौत

एजेसी

चंबा। चंबा-कोटीकॉलोनी मार्ग पर नैल के समीप एक वाहन खाई में गिर गया। वाहन में आठ लोग सवार थे। इस दौरान आठों की मौके

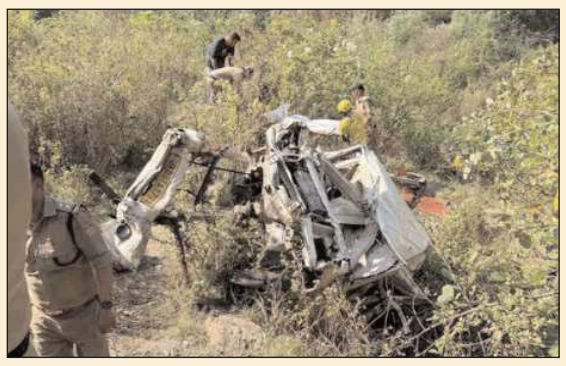

पर मौत हो गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं, दो लोग अभी घायल हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार सभी लोग घनसाली के चांजी, ठेला और चकरेडा गांव के थे, जो किसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने हरिद्वार गए थे और वापस आ रहे थे।

चार देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को सौंपे अपने परिचय पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में लाओ पीडीआर, कांगो, नामीबिया और गिनी बिसाऊ के राजदूतों से उनके परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार परिचय पत्र प्रस्तुत करने वालों में से लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजदूत विथया ज़ायावोंग, कांगो

लोकतांत्रिक गणराज्य की राजदूत एमिली अयाज़ा मुशोबेकवा, नामीबिया गणराज्य के उच्चायुक्त विंग कमांडर एलेक्स लुन्याज़ो टुकुहुपवेले (सेवानिवृत्त) और गिनी-बिसाऊ गणराज्य के राजदूत एंटोनियो सेरिफो एम्बालो शामिल हैं।

'होर्मुज में तनाव के बीच 14 भारतीय जहाज सुरक्षित निकले'

14 अब भी फंसेः एमईए

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में 14 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर चुके हैं, जबकि 14 जहाज अभी भी पर्शियन गल्फ में मौजूद हैं। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'पिछले कुछ हफ्तों में हमारे दस भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं। वहीं, 14 भारतीय जहाज अभी भी पर्शियन गल्फ में हैं।' स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और उसके आसपास का इलाका अब भी तनाव में है। यह एक बहुत अहम समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के करीब वन फिफ्थ तेल व्यापार होता है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद से यहां स्थिति और संवेदनशील हो गई है।

ईरान ने बुधवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक जहाज पर हमला किया, जो भारत के मुंद्रा पोर्ट की ओर जा रहा था। यह हमला उस वक्त हुआ जब कुछ ही घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनिश्चितकालीन युद्धविराम की घोषणा की थी।यह उन दो जहाजों में से एक था, जिन पर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी (आईआरजीसी-एन) ने हमला कर कब्जा करने का दावा किया।

पश्चिम बंगाल में 89.93 और तमिलनाडु में 82.24 प्रतिशत मतदान

मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह

- पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को है।
- चुनाव के नतीजे 4 मई को सामने आएंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के पहले चरण और तमिलानुड में मतदान को लेकर मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। चुनाव आयोग ने शाम 5 बजे तक के अनुमानित वोटिंग ट्रेंड्स जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु में लगभग 82.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि पश्चिम बंगाल के पहले चरण में यह आंकड़ा करीब 89.93 प्रतिशत रहा। चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में शाम 5 बजे तक कुल मतदान लगभग 89.93 प्रतिशत दर्ज किया गया। जिलावार आंकड़ों के अनुसार अलीपुरद्वार में लगभग 88.74, बांकुड़ा में 89.91, बीरभूम में 91.55, कूचबिहार में 92.07, दक्षिण दिनाजपुर में 93.12, दार्जिलिंग में 86.49, जलपाईगुड़ी में 91.20, झारग्राम में 90.53, कलिम्पोंग में 81.98 और मालदा में 89.56 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके अलावा, मुर्शिदाबाद में 91.36, पश्चिम बर्धमान में 86.89, पश्चिम मेदिनीपुर में 90.70, पूर्व मेदिनीपुर में 88.55, पुरुलिया में 87.35 और उत्तर दिनाजपुर में 89.74 प्रतिशत मतदान दर्ज

किया गया। अगर तमिलनाडु की बात करें तो चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक राज्य में कुल मतदान प्रतिशत लगभग 82.24 दर्ज किया गया। जिलावार आंकड़ों के मुताबिक, अरियालुर में लगभग 83.09, चेंगलपट्टू में 82.41, चेन्नई में 81.34, कोयंबटूर में 82.33, कडलूर में 81.91, धर्मपुरी में 87.28, डिंडीगुल में 86.35, इरोड में 87.59, कल्लाकुरिची में 84.22 और कांचीपुरम में 84.92 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

इनके अलावा कन्याकुमारी में 73.44, करूर में 89.32, कृष्णागिरि में 82.40, मदुरै में 77.89, मयिलादुथुरै में 78.41, नागपट्टिनम में 83.15, नमक्कल में 87.63, पेरम्बलुर में 82.75 और पुडुकोट्टई में 81.55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं, रामनाथपुरम में 74.41, रानीपेट में 86.28, सलेम में 88.02, शिवगंगा में 74.44, तेनकासी में 79.28, तंजावुर में 78.07, नीलगिरी में 75.90, थेनी में 78.73, तिरुवल्लूर में 80.70 और तिरुवरुर में 80.65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं थूथुकुडी में 77.56, तिरुचिरापल्ली में 82.76, तिरुनेलवेली में 75.10, तिरुपत्तूर में 85.28, तिरुपुर में 86.33, तिरुवन्नामलाई में 85.59, वेल्लोर में 85.06, विलुप्पुरम में 85.45 और विरुधुनगर में 82.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

पहले चरण के मतदान में जमकर हुई हिंसा, निष्पक्ष मतदान पर उठे सवाल

कई संवेदनशील इलाकों में हिंसा, बूथों पर तनाव, ईवीएम में खराबी और सुरक्षा बलों के खिलाफ शिकायतों को लेकर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। सबसे गंभीर घटनां दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज विधानसभा क्षेत्र का मामला शामिल रहा। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर मारपीट की। बताया कि वह मतदान केंद्रों का दौरा कर रहे थे, तभी कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें भीड़ उन्हें घेरकर हमला करती दिखाई दे रही है। इस दौरान उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने की कोशिश करता नजर आया। शुभेंदु सरकार ने आरोप लगाया कि उनके मतदान एजेंटों को कई बूथों से बाहर निकाला गया था और जब वह बूथ संख्या 24 पहुंचे, तभी उन पर हमला हुआ। बीरभूम जिले के लाभपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पोलिंग एजेंट पर हमला किए जाने का आरोप लगा।

हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में जैन समाज ने दिखाई अटूट एकता, दुष्प्रचार पर सत्य और आस्था की जीत

अधर्म पर धर्म की विजयः सूरत में श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय का अंजनशलाका महोत्सव संपन्न, जैन समाज ने दिखाई अटूट एकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। कहते हैं जब धर्म पर आंच आती है, तो आस्था की शक्ति एक सैलाब बन जाती है। वेसु की पावन धरा पर आयोजित श्री अभय पार्श्वनाथ भगवान के जिनालय का अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जैन समाज की अटूट एकता और शक्ति का शंखनाद बनकर उभरा है। इस ऐतिहासिक महोत्सव में जहाँ हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रभु की पूजा-अर्चना कर भगवान महावीर का आशीर्वाद प्राप्त किया, वहीं समाज ने वह कर दिखाया जिसकी कल्पना आज के दौर में कठिन थी।

षड्यंत्रों का अंतः सत्य की हुई जीत

पिछले कुछ समय से कथित पत्रकारों और उनके गुर्गों द्वारा धर्म को लांछित करने के जो कुत्सित प्रयास किए जा रहे थे, वेसु की जनता और जैन समाज ने उन्हें आईना दिखा दिया है। समाज ने स्पष्ट संदेश दिया है कि 'धर्म से ऊपर कोई नहीं है।' कथित गिरोह के दुष्प्रचार को दरकिनार करते हुए, समाज ने अपनी एकजुटता से यह साबित कर दिया कि असत्य के बादल चाहे कितने भी घने क्यों न हों, सत्य के सूर्य को नहीं ढक सकते।

'यह विजय किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि सत्य और सनातन जैन धर्म की मर्यादा की विजय है। '

परम पूज्य गुरुदेवों का पावन सानिध्य यह भव्य महोत्सव शासन प्रभावक श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी महाराज और संघ स्थापक श्री सागरचंद्रसूरीश्वरजी महाराज के पावन मार्गदर्शन और निश्रा में संपन्न हुआ। गुरुदेव के ओजस्वी प्रवचनों और मार्गदर्शन ने समाज के भीतर वह ऊर्जा भर दी, जिससे हर बाधा तिनके की तरह बिखर गई। उनके सानिध्य में वेसु का कोना-कोना 'जय जिनेन्द्र' के उद्घोष से गूँज उठा।

समाज का संदेशः 'हम एक हैं '

इस महोत्सव की सफलता उन लोगों के लिए एक कड़ा सबक है जो समाज को बांटने या डराने का भ्रम पाले हुए थे। जैन समाज ने शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ यह संदेश दिया है कि अपने धर्म और संस्कारों की रक्षा के लिए वे सदैव संगठित हैं।

मुख्य बिंदुः

* **अटूट आस्थाः** हज़ारों श्रद्धालुओं ने लिया भगवान का आशीर्वाद।
* **कड़ा प्रहारः** कथित पत्रकारों के गिरोह और उनके दुष्प्रचार का अंत।
* **धर्म रक्षाः** एकता के सूत्र में बंधा जैन समाज।
* **गुरु कृपाः** पूज्य सूरीश्वरजी महाराज के सानिध्य में विधि-विधान से प्रतिष्ठा संपन्न।

महानगर मेट्रो इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनते हुए समस्त जैन समाज को इस विजय और भव्य महोत्सव की बधाई देता है।

भारत और मिस्र रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाकर साथ काम करने पर सहमत हुए

- काहिरा में हुई 11वीं संयुक्त रक्षा समिति की बैठक, रक्षा सहयोग के लिए रोडमैप तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और मिस्र के बीच काहिरा में हुई 11वीं संयुक्त रक्षा समिति (जेडीसी) की बैठक के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत हुई। दोनों पक्ष रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाने और योजना बनाकर साथ काम करने पर सहमत हुए। रक्षा उद्योग सहयोग भारत-मिस्र रक्षा संबंधों का एक अहम हिस्सा बन रहा है, जिसमें दोनों पक्ष रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में सहयोग के मौके तलाश रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद ने किया और इसमें रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। मिस्र के प्रतिनिधिमंडल में वहां के सशस्त्र बलों और रक्षा मंत्रालय के अधिकारी शामिल हुए। दोनों पक्षों ने पिछली जेडीसी बैठक के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की और रक्षा सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार किया। भारत और मिस्र 2026-27

के लिए द्विपक्षीय रक्षा सहयोग योजना पर सहमत हुए। इसका मकसद, जिसका फोकस सैन्य संपर्क तंत्र को बढ़ाना, संयुक्त प्रशिक्षण को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना, सैन्य अभ्यास बढ़ाना और तकनीक बढ़ाने में सहयोग करना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय रक्षा उद्योग की तेजी से बढ़ती निर्माण क्षमताओं पर प्रस्तुति दी, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि भारत का उत्पादन 20 बिलियन डॉलर को पार कर गया है और भारत 100 से ज्यादा देशों को लगभग 4 बिलियन डॉलर के उत्पादन निर्यात कर रहा है। बैठक के दौरान पहली नेवी-टू-नेवी स्टाफ टॉक्स हुई। हिंद महासागर क्षेत्र में नेविगेशन की आजादी को बढ़ावा देने में भारतीय नौसेना की भूमिका को सराहा गया और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने में भारत के इन्फॉर्मेशन सूचना संलयन केंद्र की अहम भूमिका पर जोर दिया गया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र की वायु सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अमर अब्देल रहमान सकर से भी मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच करीबी सहयोग के लिए कमांडर को धन्यवाद दिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने हेलीपोलिस वॉर मेमोरियल पर भी माल्यार्पण करके पहले और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बलिदान देने वाले भारतीय बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। इस बैठक ने दोनों देशों के बीच करीबी रिश्तों की पुष्टि की और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के प्रति उनके आपसी प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

क्या वासना के आरोपों में घिरे हैं फूलपाड़ा के उम्मीदवार ?

चुनावी माहौल में 'चरित्र' पर प्रहारः क्या वासना के आरोपों में घिरे हैं फूलपाड़ा के उम्मीदवार ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत, (संवाददाता)। जैसे-जैसे चुनाव की सरगर्मी बढ़ रही है, राजनेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का स्तर गिरता जा रहा है। ताज़ा मामला सूरत के फूलपाड़ा इलाके का है, जहाँ चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवार दिनेशभाई काछड़िया को लेकर सोशल मीडिया और गलियारों में एक नई बहस छिड़ गई है। नारों और वादों के बीच अब उनके चरित्र और व्यक्तिगत आचरण पर गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

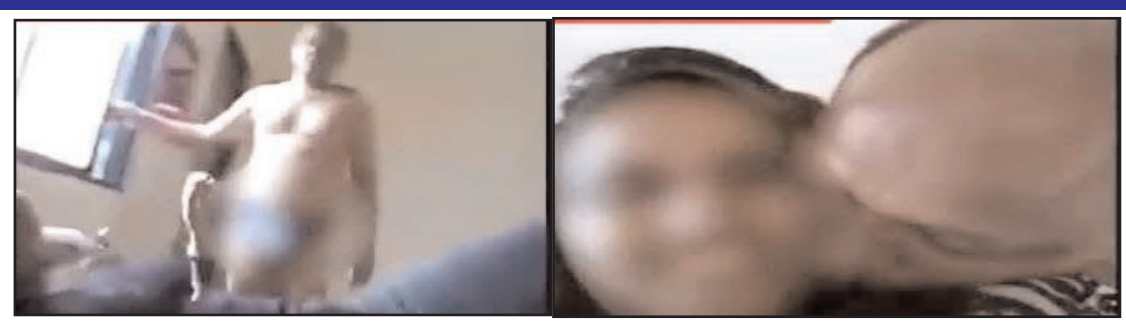

'आपका आदमी, काम (वासना) का आदमी ': सोशल मीडिया पर वायरल दावे

फूलपाड़ा क्षेत्र में इन दिनों एक लाइन बड़ी तेजी से चर्चा का विषय बनी हुई है– 'आपका आदमी, काम (वासना) का आदमी '। विरोधियों और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर दावा किया है कि विकास की बातें करने वाले उम्मीदवार के पीछे एक अलग ही चेहरा छिपा है। चर्चाएं यह भी हैं कि क्या यह केवल चुनावी स्टंट है या फिर इन आरोपों के पीछे कोई ठोस सच्चाई है?

विवादों से पुराना नाता?

दिनेशभाई काछड़िया पहली बार विवादों के घेरे में नहीं आए हैं। इससे पहले भी उन पर गंभीर व्यक्तिगत आरोप लगते रहे हैं। अब चुनाव के मुहाने पर इन पुराने घावों को फिर से कुरेदा जा रहा है। सवाल यह उठाया जा रहा है कि: क्या जनता के प्रतिनिधि को केवल काम के आधार पर चुना जाना चाहिए या उसका निजी चरित्र भी मायने रखता है ? क्या यह केवल छवि बिगाड़ने की कोई सोची-समझी साजिश है?

जनता की अदालत में उम्मीदवार

एक तरफ जहाँ दिनेशभाई अपनी जीत का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके विरोधी इन विवादित नारों के जरिए जनता को सचेत कर रहे हैं। मतदाता अब असमंजस में हैं कि वे विकास के दावों पर भरोसा करें या उन आरोपों पर जो एक उम्मीदवार की नैतिकता को कटघरे में खड़ा करते हैं।

महानगर मेट्रो का सवाल

राजनीति में आरोपों का दौर पुराना है, लेकिन जब बात व्यक्तिगत आचरण और 'वासना' जैसे गंभीर शब्दों तक पहुँच जाए, तो मामला केवल चुनावी नहीं रह जाता। फूलपाड़ा की जनता अब यह देख रही है कि उनके पास विकल्प क्या हैं? क्या विकास का मुखौटा पहनकर आने वाले नेता के असली चेहरे की पहचान हो पाएगी?

नशे के खिलाफ राजकोट पुलिस का कड़ा प्रहार: 7 किलो से अधिक गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट शहर की प्रद्युम्ननगर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की सर्विलांस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए एक महिला को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ (गांजे) के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

गुप्त सूचना पर पुलिस की छापेमारी

मिली जानकारी के अनुसार, प्रद्युम्ननगर पुलिस स्टेशन की सर्विलांस टीम को सूचना मिली थी कि इलाके में एक महिला नशीले पदार्थों की तस्करी में सक्रिय है। सूचना की पुष्टि होते ही टीम ने जाल बिछाया और संदिग्ध स्थान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को महिला के पास से 7.132 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बाजार में लाखों की कीमत

जब्त किए गए गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया है और आरोपी महिला को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस की जांच तेजः कौन है मास्टरमाइंड प्रद्युम्ननगर पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है किः महिला यह नशे की खेप कहां से लाई थी शहर में इसके नेटवर्क से और कौन-कौन से लोग जुड़े हुए हैं क्या यह किसी बड़े ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा है राजकोट पुलिस की अपील शहर पुलिस कमिश्नर के आदेशानुसार राजकोट को नशामुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, जनता से भी अपील की गई है कि यदि उनके आसपास ऐसी कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

दिव्यांका का 30 की उम्र में दुखद निधन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। हरियाणवी म्यूजिक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक बेहद चौंकाने वाली और दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेत्री और सोशल मीडिया स्टार दिव्यांका सिरोही अब हमारे बीच नहीं रहीं। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में महज 30 साल की उम्र में हुए उनके इस आकस्मिक निधन ने पूरी इंडस्ट्री और उनके लाखों प्रशंसकों को झकझोर कर रख दिया है।

कैसे हुआ हादसा ?

मिली जानकारी के अनुसार, दिव्यांका को अचानक चक्कर आया और वे असंतुलित होकर जमीन पर गिर पड़ीं। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, गिरने की वजह से उनके सिर में गंभीर चोट आई, जो अंततः जानलेवा साबित हुई। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सोशल मीडिया पर छाई रहती थी दिव्यांका

दिव्यांका की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले इंस्टाग्राम पर उनके 1.3 मिलियन (13 लाख) से ज्यादा फॉलोअर्स थे। वे अपने रील और हरियाणवी गानों के जरिए युवाओं के बीच काफी मशहूर थीं। उनके निधन की खबर फैलते ही सोशल मीडिया पर शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशंसक यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि हमेशा मुस्कराने वाली यह अदाकारा इतनी जल्दी दुनिया को अलविदा कह देगी। गमगीन माहौल में अंतिम विदाई परिजनों ने भारी मन से दिव्यांका का अंतिम संस्कार कर दिया है। इस दौरान उनके पैतृक गांव और गाजियाबाद में माहौल काफी गमगीन रहा।

म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए इसे 'अपूरणीय क्षति' बताया है।

बढ़ते हार्ट फेल्योर और अचानक मौत के मामले

दिव्यांका के इस हादसे ने एक बार फिर युवाओं में बढ़ती अचानक मौतों और 'सडन कोलैप्स' की घटनाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉक्टर अक्सर सलाह देते हैं कि बार-बार चक्कर आना या कमजोरी महसूस होना किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है, जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

लोकतंत्र का बड़ा सवालः क्या 'निर्विरोध' सीट पर भी मिलना चाहिए NOTA का अधिकार ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकतंत्र में 'मतदान' सबसे बड़ा अधिकार है, लेकिन क्या होगा अगर आपके पास चुनने का विकल्प ही न बचे? हाल ही में गुजरात में 700 सीटों पर हुए निर्विरोध चुनावों ने एक नई कानूनी बहस को जन्म दे दिया है। सवाल यह है कि यदि मैदान में केवल एक ही उम्मीदवार बचे और जनता उसे पसंद न करे, तो क्या वह NOTA (None of the Above) का बटन दबाने की मांग कर सकती है?

मौजूदा कानून क्या कहता है?

अक्सर जनता के मन में यह सवाल होता है कि एक उम्मीदवार होने पर भी वोटिंग क्यों नहीं होती? इसका जवाब हमारे कानून की किताबों में छिपा हैः
ज जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 53: यह कानून स्पष्ट करता है कि यदि नामांकन वापसी के बाद मैदान में केवल एक ही वैध उम्मीदवार बचता है, तो चुनाव अधिकारी उसे तुरंत 'विजेता' घोषित कर देता है।
ज वोटिंग का अभावः जब उम्मीदवार एक ही हो, तो चुनाव कराने की कोई कानूनी अनिवार्यता नहीं रहती। ऐसी स्थिति में वोटिंग की पूरी प्रक्रिया ही रद्द मान ली जाती है।

क्यों नहीं मिलता NOT का विकल्प?

तकनीकी रूप से, NOTA कोई 'जीवंत उम्मीदवार' नहीं है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसारः
1. EVM का गणितः बैलेट यूनिट या श्ङ्करूमशीन का इस्तेमाल तभी होता है जब दो या दो से अधिक उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हो।
2 .विकल्प बनाम वोटः चूंकि निर्विरोध की स्थिति में मुकाबला ही खत्म हो जाता है, इसलिए EVM मशीन लगाने और जनता को ह्हृ का विकल्प देने का प्रावधान वर्तमान नियमों में नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में उम्मीद की किरण

भले ही मौजूदा कानून निर्विरोध उम्मीदवार को सीधे विजेता मानता हो, लेकिन देश के कई जागरूक नागरिकों ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दायर की है। याचिकाकर्ताओं की दलीलें बेहद ठोस हैं:

दोहराने की सुगबुगाहटः क्या भूपेंद्र पटेल सरकार पर भी मंडरा रहे हैं संकट के बादल ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में इन दिनों एक पुरानी चर्चा फिर से गर्म है। सत्ता के गलियारों में साल 2016 के उस घटनाक्रम को याद किया जा रहा है, जिसने सूबे की पहली महिला मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल की कुर्सी छीन ली थी। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या वर्तमान भूपेंद्र पटेल सरकार के सामने भी वैसी ही स्थितियां पैदा हो रही हैं, जैसी आनंदीबेन के इस्तीफे से पहले थीं ?

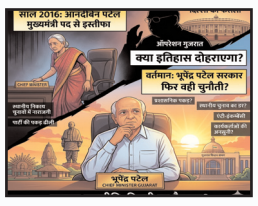

जब अमित शाह ने संभाला था 'ऑपरेशन गुजरात'

साल 2016 का वह दौर याद कीजिए, जब आनंदीबेन पटेल मुख्यमंत्री थीं। स्थानीय निकाय चुनावों (Local Body Elections) में भाजपा को भारी नाराजगी का सामना करना पड़ा था। ग्रामीण इलाकों में पार्टी की पकड़ ढीली होती दिख रही थी। तब कहा गया था कि राज्य चुनाव आयोग की ढील ने भले ही सरकार को कुछ वक्त के लिए बचा लिया हो, लेकिन दिल्ली की नजरें सब देख रही थीं। सूत्रों के मुताबिक, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह अहसास हुआ कि मतदाताओं की नाराजगी 2017 के विधानसभा चुनाव में हार का कारण बन सकती है, तब उन्होंने अमित शाह को 'ऑपरेशन गुजरात' की जिम्मेदारी सौंपी। नतीजा यह हुआ कि आनंदीबेन पटेल को पद से हटा दिया गया और सत्ता की कमान बदली गई।

भूपेंद्र पटेल सरकारः क्या फिर वही चुनौती ?

आज राजनीति के जानकर वर्तमान सरकार की तुलना आनंदीबेन सरकार के उस अंतिम दौर से कर रहे हैं। चर्चा है किः प्रशासनिक पकड़ः क्या नौकरशाही पर सरकार का नियंत्रण वैसा ही है जैसा होना चाहिए.

जनता के टैक्स पर ऐश और न्याय की उम्मीद किससे?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलोकतंत्र में जनता सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन क्या वाकई आज के दौर में यह अधिकार सुरक्षित है? हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक सजग नागरिक की जनहित याचिका (PIL) को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ऋस्र प्रमुख मोहन भागवत की Z+ सुरक्षा पर होने वाला करोड़ों का खर्च 'जनता के पैसे की बर्बादी' नहीं है। इस फैसले ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

न्यायपालिका की निष्पक्षता पर उठते सवाल

एक तरफ अदालतें सुरक्षा खर्च को जायज ठहरा रही हैं, तो दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर दिल्ली हाईकोर्ट की एक महिला जज का वीडियो वायरल है। इस वीडियो में जज महोदया RSS के कार्यक्रम में अपनी तरक्की का श्रेय उस संस्था को देती नजर आ रही हैं। सवाल यह उठता है कि जब न्याय की कुर्सी पर बैठे लोग किसी विशेष विचारधारा के प्रति इतने नतमस्तक होंगे, तो क्या आम जनता को निष्पक्ष न्याय मिल पाएगा?

Z+ सुरक्षाः जरूरत या राजनीतिक रसूख?

मोहन भागवत की सुरक्षा को अब प्रधानमंत्री के समकक्ष लाकर खड़ा कर दिया गया है। जनता यह पूछ रही है किः

जो संगठन समाज में वैमनस्य और विभाजन की बातें करता है, उसके प्रमुख पर जनता की मेहनत की कमाई क्यों लुटाई जा रही है?

यदि उनके जीवन को इतना ही खतरा है, तो वे नागपुर मुख्यालय तक सीमित क्यों नहीं रहते?

एक ऐसा संगठन जिसका आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं रहा, उसके प्रमुख पर सरकारी खजाना खोलना कहाँ तक उचित है?

देश की कड़वी हकीकत बनाम वीआईपी कल्चर एक तरफ देश का बुनियादी ढांचा चरमरा रहा है और दूसरी तरफ वीआईपी सुरक्षा पर अंधाधुंध खर्च हो रहा है। देश की वर्तमान स्थिति पर नजर डालिएः

1.80 करोड़ जनता मुफ्त अनाज पर निर्भर है।
2.युवाओं के पास रोजगार नहीं है, व्यापार शुरू करने के लिए पूंजी का अभाव है।
3. फंड की कमी के बहाने हजारों सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं।
4. महिलाओं और गरीबों को मिलने वाली मामूली सहायता राशि भी समय पर नहीं पहुंचती।

इतिहास के आइने में सच्चाई इतिहास गवाह है कि जिस विचारधारा के रक्षक आज करोड़ों की सुरक्षा में घूम रहे हैं,

वक्त को बुरा कहना आसान है, लेकिन यही वह आईना है जो चेहरों से नकाब उतार देता है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

असलियत का आईना है बुरा वक्त अच्छे वक्त में तो हर कोई हाथ मिलाने को बेताब रहता है। सफलता की चमक में अनजान भी रिश्तेदार बन जाते हैं और महफिलें सजने लगती हैं। लेकिन जैसे ही वक्त की करवट बदलती है, बहुत से हाथ पीछे खिंच जाते हैं। जो कल तक कसीदे पढ़ते थे, वही आज मुंह फेर लेते हैं। ऐसे में वक्त को बुरा कहना गलत होगा, क्योंकि इसी वक्त ने हमें उन 'सफेदपोश' चेहरों की असलियत दिखाई है, जिन्हें हम अपना समझकर बैठे थे।

भीड़ कम होती है, तो सादगी दिखती है

बुरे वक्त का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह हमारे जीवन से फालतू की भीड़ को साफ कर देता है। जब संकट के बादल मंडराते हैं, तब जो मुट्ठी भर लोग आपके साथ खड़े रहते हैं, वही आपके जीवन की असली पूंजी हैं। वक्त हमें बताता है कि रिश्ते खून से नहीं, बल्कि साथ निभाने की नीयत से बनते हैं। यह हमें आत्मनिर्भर बनाता है और सिखाता है कि दुनिया में खुद के पैरों पर खड़ा होना ही सबसे बड़ी जीत है।

वक्त की मार नहीं, वक्त का सबक

वक्त कभी बुरा नहीं होता, वह केवल एक चक्र है जो निरंतर चलता रहता है। जिसे हम 'बुरा वक्त' कहते हैं, वह असल में आत्ममंथन का समय होता है। यह हमें हमारी गलतियों का अहसास कराता है, हमारे धैर्य की परीक्षा लेता है और हमें भविष्य के लिए और अधिक मजबूत बनाता है। अगर जीवन में चुनौतियां न आएं, तो हमें कभी अपनी ताकत का अंदाजा ही न हो।

ब्युटी पार्लर संचालिका के साथ धोखेबाजी

शादी का झांसा देकर डॉक्टर ने किया दुष्कर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। डॉक्टर जिसे समाज में भगवान का दर्जा दिया जाता है, उसी पेशे से जुड़े एक व्यक्ति ने मानवता को शर्मसार करने वाली करतूत को अंजाम दिया है। आरोपी डॉक्टर विकास पटेल पर एक ब्यूटी पार्लर संचालिका को शादी का झांसा देकर उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाने और अंत में धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी डॉक्टर और उसके परिवार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

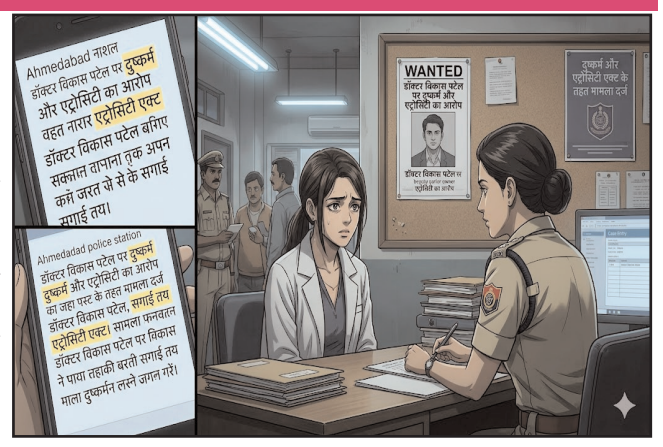

विश्वास की आड़ में किया शोषण

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी डॉक्टर विकास पटेल ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाया और शादी का वादा कर उसका विश्वास जीता। इस भरोसे का फायदा उठाकर डॉक्टर ने पीड़िता के साथ लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाए। हालांकि, पीड़िता के होश तब उड़ गए जब उसे पता चला कि डॉक्टर विकास पटेल ने उसके साथ विश्वासघात करते हुए कहीं और अपनी सगाई तय कर ली है। परिजनों ने भी की बर्बरता, जातिसूचक गालियां दीं धोखे का पता चलने पर जब पीड़िता विरोध जताने और न्याय की गुहार लगाने डॉक्टर के घर पहुंची, तो वहां उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। पीड़िता का आरोप है किः
ज डॉक्टर की बहन ने उसके साथ मारपीट की।
डॉक्टर के माता-पिता ने पीड़िता को उसकी जाति को लेकर अपमानित किया और जातिसूचक अपशब्दों का प्रयोग किया।
पूरे परिवार ने मिलकर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया ताकि वह अपना मुंह बंद रखे।
दुष्कर्म और एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज
न्याय की तलाश में पीड़िता ने **अंततः** पुलिस का दरवाजा खटखटाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी डॉक्टर विकास पटेल के खिलाफ दुष्कर्म **(Rape)** और उसके माता-पिता व बहन के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट (Atrocity Act) सहित मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। समाज के रक्षक ही बने भक्षक यह मामला एक बार फिर समाज के पढ़े-लिखे वर्ग की मानसिकता पर सवाल खड़े करता है। जहां एक तरफ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर एक शिक्षित डॉक्टर द्वारा युवती का शारीरिक और मानसिक शोषण कर उसके साथ जातिगत भेदभाव करना बेहद चिंताजनक है।

गुजरातः 700 सीटों पर 'निर्विरोध' चुनाव होने पर सुप्रीम कोर्ट 'लाल-धूम', चुनाव प्रक्रिया पर खड़े किए बड़े सवाल

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। नई दिल्ली। लोकतंत्र की बुनियादी ईकाई कहे जाने वाले पंचायत चुनावों में गुजरात से आई एक खबर ने देश की सबसे बड़ी अदालत को नाराज कर दिया है। गुजरात में हाल ही में लगभग 700 सीटों पर उम्मीदवारों के निर्विरोध (बिन-हलीफ) चुने जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार किया है। कोर्ट ने इसे लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत बताया है।

सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणीः 'यह कैसा चुनाव? '

न्यायमूर्ति की पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग और राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने साफ तौर पर कहा किः
- इतनी बड़ी संख्या में सीटों का निर्विरोध होना यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है।
- क्या उम्मीदवारों को डराया-धमकाया गया या उन्हें नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया गया?
- यदि जनता को चुनने का विकल्प ही नहीं मिलता, तो चुनाव के मायने ही क्या रह जाते हैं?

700 सीटों का गणित और विपक्ष के आरोप

गुजरात में ग्राम पंचायत और अन्य स्थानीय निकायों के चुनावों में 700 सीटों पर एक ही उम्मीदवार मैदान में होने के कारण उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया। विपक्ष का आरोप है कि सत्ता पक्ष के दबाव और प्रशासनिक मिलीभगत के कारण अन्य उम्मीदवारों को फॉर्म भरने नहीं दिया गया या उनके फॉर्म तकनीकी खामियां बताकर रद्द कर दिए गए।

लोकतंत्र के 'उत्सव' पर सवाल सुप्रीम कोर्ट ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव लोकतंत्र की जड़ें होते हैं। यदि यहीं पर 'निर्विरोध' चुने जाने का चलन बढ़ेगा, तो यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को खत्म कर देगा। कोर्ट ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है और चुनाव आयोग से पूछा है कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए थे।

जनता का हक या राजनीतिक मिलीभगत?

महानगर मेट्रो की पड़ताल में यह बात सामने आई है कि कई गांवों में 'समरस' (निर्विरोध) पंचायत बनाने के नाम पर सरकारी अनुदान का लालच दिया जाता है, लेकिन इसके पीछे अक्सर स्थानीय रसूखदारों का दबाव काम करता है। कोर्ट की इस नाराजगी के बाद अब राज्य निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर भी उंगलियां उठने लगी हैं।

सलाखों के पीछे 13 महीनों से जारी है प्रायश्चित की अनूठी साधना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेल की चारदीवारी अक्सर अपराध और अफसोस की गवाह बनती है, लेकिन कभी-कभी यहीं से आत्म-सुधार की एक नई कहानी भी शुरू होती है। अपने ही पति की हत्या के आरोप में जेल की सजा काट रही मुस्कान के जीवन में पिछले कुछ महीनों में ऐसा ही एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कल तक जो महिला कानूनी दांव-पेंचों और अपराध की सुर्खियों में थी, आज वह पूरी तरह ईश्वर की भक्ति में लीन हो चुकी है।

भजन-कीर्तन और रुद्राक्ष की माला

जेल सूत्रों के अनुसार, पिछले 13 महीनों से मुस्कान की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है। वह अब अपना अधिकांश समय जेल के भीतर बने प्रार्थना स्थल पर बिताती है। दिन-रात पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और धार्मिक चर्चाओं में उसकी सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। हाथों में रुद्राक्ष की माला जपना और ध्यान लगाना अब उसकी पहचान बन गया है।

कैदियों के बीच बनीं प्रेरणा

मुस्कान केवल खुद ही भक्ति नहीं कर रही, बल्कि वह अन्य महिला कैदियों के साथ भी धार्मिक संवाद करती है। जेल प्रशासन का कहना है कि उसके व्यवहार में आए इस सकारात्मक बदलाव से जेल का वातावरण भी शांत हुआ है। संगीत और भजनों के माध्यम से वह अपने अतीत के बोझ को कम करने और मानसिक शांति प्राप्त करने की कोशिश कर रही है।

प्रायश्चित या वैराग्य?

मुस्कान के इस आध्यात्मिक मार्ग को उसके पश्चाताप के रूप में देखा जा रहा है। जानकारों का कहना है कि जब इंसान के पास खोने के लिए कुछ नहीं बचता और कानून का शिकंजा कस जाता है, तब अक्सर अध्यात्म ही उसे सहारा देता है। 13 महीनों की यह निरंतर साधना क्या उसे समाज और स्वयं की नजरों में फिर से खड़ा कर पाएगी, यह तो वक्त ही बताएगा।

डिजिटल महायुद्ध की आहटः समुद्र के नीचे बिछे इंटरनेट केबल्स पर मंडराया ईरान का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दुबई। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष अब केवल जमीन, आसमान और तेल के जहाजों तक सीमित नहीं रहा है। युद्ध का यह काला साया अब उस अदृश्य धागे तक पहुँच गया है, जिस पर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और संचार टिका है– यानी 'समुद्र के नीचे बिछे इंटरनेट केबल्स'। ईरानी मीडिया और सुरक्षा एजेंसियों के हालिया संकेतों ने वैश्विक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सनसनी मचा दी है।

होर्मुज और लाल सागरः इंटरनेट की जीवनरेखा

लाल सागर और होर्मुज की जलडमरूमध्य वे रणनीतिक रास्ते हैं जहाँ से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण अंडर-सी इंटरनेट केबल्स गुजरते हैं। यदि तनाव बढ़ता है, तो ईरान इन केबल्स को काट सकता है या उन्हें नुकसान पहुँचा सकता है। जानकारों का मानना है कि यह केवल एक सैन्य हमला नहीं,

बल्कि एक 'डिजिटल ब्लैकआउट' होगा।

भारत के लिए क्यों है यह खतरे की घंटी?

भारत का डिजिटल और बैंकिंग सेक्टर पूरी तरह से इन्हीं अंतरराष्ट्रीय केबल्स पर निर्भर है।

इंटरनेट की गतिः यदि लाल सागर के केबल्स को नुकसान पहुँचता है, तो भारत में इंटरनेट की गति ठप हो सकती है।

ज़ अर्थव्यवस्था पर चोटः ऑनलाइन बैंकिंग, स्टॉक मार्केट और आईटी सेवाओं का सारा डेटा इन्हीं केबल्स के जरिए ट्रांसफर होता है। एक छोटा सा कट भी अरबों डॉलर का नुकसान करा सकता है।

संचार संकटः यूरोप और खाड़ी देशों के साथ भारत का सीधा संपर्क कट सकता है।

मिसाइल से ज्यादा घातक है 'केबल वॉर' रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि एक मिसाइल किसी एक शहर या ठिकाने को तबाह करती है, लेकिन एक इंटरनेट केबल कटने से पूरा देश 'ऑफलाइन' हो सकता है। यह 'हाइब्रिड वॉरफेयर' का सबसे खतरनाक रूप है। ईरान जानता है कि पश्चिमी देशों और भारत जैसी उभर अर्थव्यवस्थाओं की नसें इन्हीं डिजिटल तारों में छिपी हैं।वैश्विक सुरक्षा एजेंसियों की चौकसी इस धमकी के बाद अमेरिका और उसके सहयोगियों ने समुद्री गश्त बढ़ा दी है। पनडुब्बियों और विशेष जहाजों के जरिए इन केबल्स की निगरानी की जा रही है। भारत भी अपनी 'डिजिटल सिक्योरिटी' को लेकर सतर्क हो गया है,

कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव का रेडियोग्राफर किया गया निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव . संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें रायपुर संभाग रायपुर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव में पदस्थ रेडियोग्राफर भोज कुमार साहू को पदीय कर्तव्यों में घोर लापरवाही एवं गंभीर अनुशासनहीनता बरतने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगांव के रेडियोग्राफर भोज कुमार साहू द्वारा शासकीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने, पदीय दायित्वों का निर्वाहन नहीं करने, शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न करने, उच्च अधिकारियों से अनुचित वार्तालाप करने तथा असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त रहने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। भोज कुमार साहू का कृत्य गंभीर अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्यों के प्रति लापरवाही के श्रेणी में होने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के शर्तों का उल्लंघन है। निलंबन अवधि के दौरान भोज कुमार साहू का मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला दुर्ग निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

राजगामी संपदा न्यास में नियुक्तियों का इंतजार खत्मः पूर्णिमा साहू बनीं अध्यक्ष, मनोज निर्वाणी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. पिछले चार-पांच महीने से काफी खींचतान में चल रही रानी सूर्यमुखी राजगानी संपदा न्यास में श्रीमती पूर्णिमा साहू की नियुक्ति हो गई दूसरी ओर उपाध्यक्ष पद पर मनोज निर्वाणी को नियुक्त किया गया है दोनों की नियुक्ति की अधिकृत छत्तीसगढ़ शासन की मुख्य सचिव की तरफ से लेटर जारी कर दिया गया है आपको बता दे कि दोनों की पृष्ठभूमि संघ की रही है यानी कि भारतीय जनता पार्टी में किसी भी नियुक्ति में संघीय पृष्ठभूमि बेहद अनिवार्य है दूसरी ओर ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी महिला को इस पद में अध्यक्ष बनाया गया है और सबसे हास्यास्पद बात तो यह है कि डोंगरगांव के एक कथित नेता जिनके ऊपर विधानसभा चुनाव में खुलकर भीतर घात करने का गंभीर आरोप है उन्होंने तो अखबार और अपने समर्थकों के माध्यम से ऐसा माहौल क्रिएट कर दिया था कि यह पद उन्हें ही मिल रहा है और उनका नाम लगभग तय है कुछ लोगों ने अति आत्मविश्वास में उनके नाम के बैनर पोस्टर तक बना डाले थे क्योंकि अब यह आखिरी राजनीतिक नियुक्ति थी विष्णु देव सरकार में हालांकि बहुत सारे निगम में अध्यक्षों को की नियुक्ति हुई है लेकिन सदस्यों की या बोर्ड ऑफ मेंबर की नियुक्ति नहीं हो पाई है बेहद करीबी एवं विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले रणनीतिकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नजर छत्तीसगढ़ पर लगातार बनी हुई है पहले उन्होंने 31 मार्च तक नक्सलवाद को खत्म करने का वादा किया था उन्होंने खत्म कर डाला अब आगे छत्तीसगढ़ में अरबों-खरबों के इन्वेस्ट होने की संभावना है नजर सीधा यहां के बेसिक समस्या को खत्म कर छत्तीसगढ़ को विकासशील से विकसित राज्य बनाने की है जिस पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव लगातार खरा उतर रहे हैं विरोधी गुट या कुछ राजनीतिक विश्लेषक छत्तीसगढ़ में ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे कि विष्णु देव को बदलकर किसी दूसरे व्यक्ति को चीफ मिनिस्टर बनाया जा सकता है हालांकि इसकी संभावना दूर-दूर तक नजर अभी भी नहीं आ रही है न भविष्य में आने की संभावना है यह सब लिखने का तात्पर्य यह है कि छत्तीसगढ़ में संगीय पृष्ठभूमि बेहद मायने रखती है दूसरी बात यह है कि जिस थाली में आप खाते हो उसमें छेद करने वाले लोगों के लिए भारतीय जनता पार्टी में ना पहले भी जगह थी अब है ना भविष्य में भी होने की संभावना है राजगामी संपदा में श्रीमती पूर्णिमा साहू को अध्यक्ष नियुक्त होने पर एवं उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर श्री मनोज निर्वाणी को एक बार पुन बधाई एवं शुभकामनाएं आपके नेतृत्व में रानी सूर्यमुखी राजगानी संपदा ट्रस्ट बेहद ऊंचाइयों को छुए इन्ही मंगल शुभकामनाएं के साथ हेमंत वर्मा की कलम से

मुनाफाखोरी नहीं, शिक्षा ही लक्ष्यः चीन के सख्त फैसले ने भारत में छेड़ी नई बहस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीजिंग। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के निर्माण की नींव होती है, लेकिन जब यह नींव व्यापार की भेंट चढ़ जाए, तो समाज का ढांचा डगमगाने लगता है। हाल ही में चीन सरकार ने एक ऐतिहासिक और बेहद सख्त फैसला लेते हुए बुनियादी शिक्षा (Basic Education) के क्षेत्र में निजी कंपनियों और कोचिंग संस्थानों के 'मुनाफा कमाने' पर पूरी तरह लगाम लगा दी है। चीन का मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भविष्य देना है। इस फैसले के बाद अब भारत में भी यह सवाल गूंजने लगा है– 'क्या भारत में ऐसा निर्णय संभव नहीं है? '

चीन का मास्टरस्ट्रोकः क्यों लिया यह फैसला?

चीन सरकार ने महसूस किया कि निजी ट्यूशन और महंगे निजी स्कूलों के कारण अभिभावकों पर आर्थिक बोझ असहनीय होता जा रहा था। प्रतिस्पर्धा इतनी बढ़ गई थी कि बच्चों का बचपन किताबों के बोझ और तनाव के नीचे दब गया था। चीन ने अब स्पष्ट कर दिया है कि बुनियादी शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान 'नॉन-प्रॉफिट' गैर-लाभ आधार पर ही चलेंगे।

भारत में क्यों हो रही है इसकी चर्चा?

भारत में भी शिक्षा के व्यवसायीकरण को लेकर जनता के बीच भारी नाराजगी है। आम आदमी की चर्चाओं में ये बिंदु प्रमुखता से उठ रहे हैं:

महंगी फीस का बोझः मिडिल क्लास परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा बच्चों की स्कूल फीस और ट्यूशन में चला जाता है।

ज़ कोचिंग माफियाः बड़े शहरों से लेकर कस्बों तक कोचिंग सेंटरों का जाल फैल गया है, जो शिक्षा को केवल एक 'प्रोडक्ट' की तरह बेच रहे हैं।

ज़ समान शिक्षा का अभावः पैसे वाले बच्चों को बेहतर संसाधन मिल रहे हैं, जबकि गरीब मेधावी छात्र पीछे छूट रहे हैं।

भारत के लिए क्या हैं चुनौतियां?

जानकारों का मानना है कि भारत में चीन जैसा मॉडल लागू करना इतना आसान नहीं है। इसके पीछे कई कारण हैं:

1.लोकतंत्र बनाम साम्यवादः चीन में सरकार एक आदेश से पूरा ढांचा बदल सकती है, जबकि भारत में निजी संस्थानों के अपने अधिकार और कानूनी सुरक्षा है।

2.सरकारी ढांचे की कमीः यदि निजी संस्थानों पर लगाम कसी गई, तो क्या हमारे सरकारी स्कूल उस भारी दबाव को झेलने के लिए तैयार हैं?

3.निवेश का सवालः भारत में शिक्षा क्षेत्र में भारी निजी निवेश है, जिस पर अचानक रोक लगाने से रोजगार और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

गुजरात की राजनीति में 'ऑफर' कांड का भूचालः इसुदान गढ़वी के संगीन आरोपों से बीजेपी खेमे में खलबली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में एक बार फिर आरोपों की झड़ी लग गई है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने भारतीय जनता पार्टी पर बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। गढ़वी का दावा है कि उन्हें और उनकी पार्टी के नेताओं को पाला बदलने के लिए न केवल करोड़ों रुपये की पेशकश की गई, बल्कि पैसों के लेन-देन के लिए 'आ' नेटवर्क के इस्तेमाल की भी बात कही गई है।

करोड़ों की पेशकश और आंगडिया का खेल?

इसुदान गढ़वी ने मीडिया के सामने आकर दावा किया कि सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र को खरीदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पास ऐसे इनपुट हैं कि नेताओं को तोड़ने के लिए बड़ी रकम का इंतजाम किया गया है। सबसे चौंकाने वाला दावा 'आंगडिया' के जरिए पैसों की हेराफेरी का है, जो गुजरात में पारंपरिक रूप से बड़ी रकम के गुप्त हस्तांतरण के लिए जाना जाता है।

बीजेपी का पलटवारः 'हताशा का प्रतीक '

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे गढ़वी की 'प्रचार की भूख' करार दिया है। बीजेपी प्रवक्ताओं का कहना है कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं या आम आदमी पार्टी के पैर उखड़ने लगते हैं, तो वे इसी तरह के काल्पनिक और बिना सिर-पैर के आरोप लगाने लगते हैं।

जनता की अदालत में सुलगते सवाल

इस विवाद ने जनता के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं:

क्या वाकई राजनीति में जनमत को नोटों के दम पर खरीदने की कोशिश हो रही है?अगर इसुदान गढ़वी के पास सबूत हैं, तो वे कानूनी कार्रवाई के बजाय केवल बयानबाजी क्यों कर रहे हैं?

क्या 'आंगडिया' जैसे पारंपरिक नेटवर्क का राजनीतिक इस्तेमाल सच है?

कच्छ की धरती से हर्ष संघवी की ललकारः भुज में मेगा रोड शो के बाद विरोधियों पर बरसे गृह राज्य मंत्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भुज। सीमावर्ती जिले कच्छ के मुख्यालय भुज में आज उस समय सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया, जब गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने एक विशाल रोड शो के जरिए अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। सड़कों पर उमड़े जनसैलाब के बीच संघवी का अंदाज बेहद आक्रामक नजर आया। रोड शो के समापन पर उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए विरोधियों पर तीखे प्रहार किए।

केसरिया रंग में रंगा भुज

हर्ष संघवी के रोड शो में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और 'जय श्री राम' के नारों के साथ भुज की गलियां गूंज उठीं। जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए संघवी ने यह संदेश देने की कोशिश की कि कच्छ भाजपा का अभेद्य किला है और यहाँ की जनता विकास के साथ खड़ी है।

नशे और अपराध के सौदागरों को खुली चेतावनी

अपने संबोधन में हर्ष संघवी ने कड़े तेवर अपनाते हुए कहा कि गुजरात की शांति को भंग करने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से ड्रग माफियाओं और असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा, 'हमारी पुलिस जाग रही है, और गुजरात की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वालों की जगह केवल जेल की सलाखों के पीछे है। '

विरोधियों पर आक्रामक प्रहार

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग केवल चुनाव के समय कच्छ की याद करते हैं, उन्हें जनता करारा जवाब देगी। उन्होंने विकास कार्यों का लेखा-जोखा पेश करते हुए कहा कि **भाजपा ने कच्छ की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है।**

सुरक्षा और विकास की प्रतिबद्धता

संघवी ने दोहराया कि राज्य सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह सजग है। उन्होंने कच्छ के लोगों को विश्वास दिलाया कि विकास की यह रफ्तार रुकने वाली नहीं है। रोड शो के दौरान उमड़ी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि आने वाले स्थानीय चुनावों में भाजपा एक बार फिर क्लीन स्वीप की तैयारी में है।

नितिन गडकरी के 100% इथेनॉल विजन का गणितः विकास या विनाश का रास्ता?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अक्सर देश को 100' इथेनॉल आधारित ईंधन का सपना दिखाते हैं। वे इसे 'ग्रीन फ्यूल' कहते हैं, लेकिन महानगर मेट्रो की विशेष पड़ताल में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे डराने वाले हैं। डेटा गवाह है कि यह चमकता हुआ सपना भारत के भूजल और भविष्य को सुखा सकता है।

एक लीटर ईंधन, हजारों लीटर पानी

सरकारी आंकड़ों और नीति आयोग (2020 रिपोर्ट) के अनुसार, गन्ने से बनने वाले मात्र 1 लीटर इथेनॉल के लिए औसतन 2,860 लीटर पानी की खपत होती है। ICAR का अध्ययन इसे 2,001 लीटर बताता है, तो खाद्य सचिव के अनुसार यह आंकड़ा 3,630 लीटर तक जाता है। यदि हम गडकरी जी के 70' से 100' ब्लेंडिंग के लक्ष्य को देखें, तो देश को करीब 3,500 करोड़ लीटर इथेनॉल की जरूरत होगी।

बजट से भी महंगा पड़ेगा पानी!

गणित सीधा और खौफनाक है। 3,500 करोड़ लीटर इथेनॉल तैयार करने के लिए 100 ट्रिलियन (100 लाख करोड़) लीटर पानी चाहिए होगा। आज शहरों में 10,000 लीटर पानी के टैंकर की कीमत औसतन 1,000 रुपये है। इस हिसाब से इथेनॉल के लिए लगने वाले पानी की कीमत 10,000 अरब रुपये बैठती है, जो भारत के कुल सालाना बजट से भी ज्यादा है। परिणाम साफ है–आने वाले समय में पेट्रोल से महंगा पीने का पानी (100 रुपये लीटर) बिकेगा।

सूखते कुएं और बढ़ता खतरा

महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे गन्ना उत्पादक राज्यों में 60' कुएं पहले ही सूखने की कगार पर हैं। नीति आयोग खुद स्वीकार करता है कि देश के अधिकांश जिले 'वॉटर स्ट्रेस' (पानी की भारी किल्लत) की श्रेणी में हैं। ऐसे में गडकरी जी का यह कहना कि 'देश में पानी की कोई कमी नहीं है', जमीनी हकीकत से कोसों दूर है।

निष्कर्षः दिमाग की कीमत या चुनावी स्टंट?

हाल ही में गडकरी जी ने कहा था कि उनके 'दिमाग की कीमत 200 करोड़ रुपये है '। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह 'दिमाग' देश के गिरते भूजल स्तर और भविष्य के अकाल को देख पा रहा है? इथेनॉल को ग्रीन फ्यूल कहना सही है, लेकिन इसकी भारी जल-लागत को नजरअंदाज करना आत्मघाती है। बिना जल प्रबंधन के यह सिर्फ 'हवाबाजी' और राजनीति के ऊंचे सपने जैसा है।

हमारा नजरियाः

क्या हम सस्ते ईंधन के चक्कर में अपनी आने वाली पीढ़ियों के मुंह से पानी छीन रहे हैं सरकार को डेटा और भूगोल की हकीकत समझनी होगी, सिर्फ फैंसी घोषणाओं से पेट नहीं भरता।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।

प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो-दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर-पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के

बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री ह्यधरती का बेटाह्न यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा अ जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

संपादकीय

झुलसती जिंदगी

एक वैश्विक संस्था एक्यूआई.इन के हालिया आंकड़ों से यह परेशान करने वाली तस्वीर उभरी है कि दुनिया के सबसे गर्म बीस शहरों में 19 भारत के हैं। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान का मुख्य कारक है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकारों व आम नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में है। घटता वनों का दायरा और हमारी जीवनशैली में बदलाव से बढ़ता कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ते तापमान का एक कारक बन रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों तक बारिश के बाद लोग अप्रैल माह में भी ठंड का अनुभव कर रहे थे। उसके कुछ ही दिन बाद तुरंत लू चलने लगी। यह अचानक होने वाला मौसमी बदलाव हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक है। तमाम लोग अचानक मौसमी बदलाव से उत्पन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। गंगा के किनारे बसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश का सबसे ज्यादा 44.4 तापमान दर्ज किया जाना गंभीर स्थिति को दशार्ता है। चिंता की बात यह है कि गर्मी सामान्य सीमाओं को पार करके आगे बढ़ रही है। मौसम विभाग चेता रहा है कि देश के कई इलाकों में आगामी दिनों में लू की स्थिति बनी रहेगी। कई जगह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। दरअसल, मौसम विभाग का मानक है कि जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो इसे लू चलना कहा जाता है। फिक्र की बात यह है कि अप्रैल के चौथे सप्ताह में ही देश के कई शहर हीटवेव की सीमा से आगे बढ़ गए हैं। देश में बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्य इस तपिश का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि पहली बार मध्यप्रदेश में रात को हीटवेव चलने की चेतावनी दी गई है। गर्मी का आलम यह है कि देश के कई राज्यों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। दिल्ली के स्कूलों में एक समय अवधि घंटी बजाकर छात्रों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा ताकि वे पानी पीकर गर्मी की चुनौती का मुकाबला करें। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देश के तमाम राज्यों में जीवन रक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। कई जगह श्रमिकों के दिन में कुछ घंटों में काम करने पर रोक लगायी गई है। महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला गया है। तमाम शहरों में लू के अलर्ट जारी किए जा रहे हैं। कई जगह ट्रैफिक सिग्नल बंद किए गए ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। सड़कों, बस स्टेशनों तथा रेलवे स्टेशनों में पानी की फुहार के जरिये गर्मी से राहत देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताजमहल देखने पहुंचे कई पर्यटकों के बेहोश होने के समाचार हैं। गर्मी के चलते राजस्थान के कई पर्यटक स्थलों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट के संकेत हैं।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस और 73वाँ संविधान संशोधन : ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना गलत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-क जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया।

इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ड भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है।

निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया। सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

क्यों सुसाइड कर रहे हैं एनआइटी के होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है। एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ?

गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं,ह्व उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली।

तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है।

इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी।

एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे.के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं।

पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था।

मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया।

संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। कुछ छात्रों ने यह भी कहा कि उन्हें मानसिक दबाव और परेशान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक प्रोफेसर ने यहां तक कह दिया कि ह्लअगर सुसाइड करना है तो कैंपस के बाहर करो।ह्व इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

इधर, बढ़ते विवाद के बीच एनआईटी प्रशासन ने 17 अप्रैल से 4 मई तक छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छात्रों को हॉस्टल खाली करने का नोटिस दिया गया है और कई छात्र अपना सामान पैक कर घर लौटते नजर आ रहे हैं। इस पर भी छात्रों ने नाराजगी जताई है और कहा है कि उन्हें जबरदस्ती घर भेजकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है।

सवाल उठता है कि एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान में ऐसी क्या गड़बड़ी है कि भविष्य संवारने के लिए आए होनहार छात्र छात्राओं को सुसाइड करने की मजबूरी आन पड़ी है? इस के पीछे क्या संस्थान के शिक्षक प्रबंधन प्रशासन की कोई गड़बड़ी जिम्मेदार है या छात्रों के बीच में ही शेरों की खाल में कोई सियार छिपे हुए हैं और छात्र छात्राओं के साथ कोई अनैतिकता या अमानवीयता कर उन्हें सुसाइड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है? की बार नशे के सौदागर और साइबर ठगी या निवेश के जाल मे फंसा कर ब्लेक मेल करने वाले गिरोह भी ऐसे वारदातों के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं। क्या वजह है कि सरकार ने एक के बाद एक हो रही सुसाइड की वारदातों को गंभीरता से नहीं लिया आखिर कब तक हमारे उच्च शिक्षा संस्थान होनहार बच्चों के सपनों को रौंद कर उनके जीवन से खिलवाड़ करते रहेंगे। जो भी हो इन सुसाइड मामलों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर अब शहरी निकायों तक गरमाएगी राजनीति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण के मुद्दे को आम जनता के बीच ले जाने के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई है। पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जन आक्रोश यात्रा के जरिए इस मुद्दे को गरमाया। वहीं, 28 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में महिला सम्मेलन में शामिल होंगे। इसके जरिए महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न होने देने को लेकर विपक्ष को कटघरे में खड़ा किया जाएगा। भाजपा इस मुद्दे को लेकर बड़े पैमाने पर उठाने की तैयारी में है। पार्टी की ओर से कोशिश मुद्दे को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की है। संदेश महिलाओं के बीच में दिया जाना है कि विपक्षी पार्टियों उनके हक को नहीं देना चाहती हैं। इसके लिए अब स्थानीय निकायों तक पहुंचाने की तैयारी है। भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम के बहाने आधी आबादी को लेकर लंबी लड़ाई की स्क्रिप्ट तैयार की है। संसद में विधेयक के गिरने के बाद पार्टी सड़क पर उतरती दिख रही हैं। वहीं, इस मुद्दे को अब शहरी निकायों के सदन में भी उठाने की तैयारी है। शहरी निकायों में विपक्ष को घेरकर शहरी आबादी तक संदेश देने की योजना है। योजना है कि प्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में इस मुद्दे को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

क्या है पूरी तैयारी?

भारतीय जनता पार्टी की पूरी तैयारी प्रदेश में महिला आरक्षण के मुद्दे को बड़े पैमाने पर गरमाने की है। आधी आबादी को उनका हक न देने के मुद्दे पर विपक्ष को कटघरे में खड़ा किया जाना है। शहरी निकायों में बोर्ड की बैठक बुलाकर इस मुद्दे पर निंदा प्रस्ताव पारित कराए जाने की योजना है। यह सारी प्रक्रिया 30 अप्रैल को विधानमंडल के एक दिवसीय विशेष सत्र से पहले करने की योजना है। इसके जरिए भाजपा जमीनी स्तर पर यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि आधी आबादी के हक की लड़ाई केवल वही लड़ रही है। वहीं, चुनावों के समय में आरक्षण की बात करने वाले तमाम विपक्षी दल लोकसभा में महिला आरक्षण के विरोध में खड़े दिखे। इसके लिए भाजपा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को आरक्षण विरोधी करार देने में जुटी दिख रही है। इसके साथ ही मुद्दे पर प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं के जनाक्रोश पैदल मार्च निकालने की भी तैयारी है। सपा-कांग्रेस पर सीधा हमला महिला आरक्षण बिल के संशोधन अधिनियम को लेकर भाजपा लगातार सपा और कांग्रेस को घेरने में जुट गई है।

प्रवेश वाही होंगे दिल्ली के अगले मेयर, बीजेपी ने जारी की लिस्ट,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर बड़ा रणनीतिक फैसला सामने आया है। बीजेपी ने महापौर पद के लिए प्रवेश वाही को उम्मीदवार घोषित किया है। इसके साथ ही उनके मेयर बनना लगभग तय है, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने मेयर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। वहीं कांग्रेस अन्य दलों के पास बहुमत नहीं है।
बीजेपी ने गुरुवार दोपहर को मेयर पद के लिए प्रवेश वाही को, डिप्टी मेयर के लिए मोनिका पंत के नाम का ऐलान किया है। जबकि सदस्य स्थायी समिति एवं नेता सदन के पद के लिए जय भगवान यादव और सदस्य स्थायी समिति के लिए मनीष का नाम घोषित किया है।

प्रवेश वाही का मेयर बनना तय

नॉमिनेशन दाखिल करने का आज आखिरी दिन है, ऐसे में अगर कोई अन्य उम्मीदवार नॉमिनेशन दाखिल नहीं करता है, तो नए मेयर का निर्विरोध निर्वाचन हो जाएगा। अगर कोई विरोधी खड़ा भी होता है, तो बीजेपी आसानी से जीत हासिल कर लेगी। क्योंकि एमसीडी में 250 निगम पार्षदों में से बीजेपी के 123 पार्षद हैं।

'आप' ने किया मेयर चुनाव न लड़ने का ऐलान

वही आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी नगर निगम (एमसीडी) मेयर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि 'आप' भाजपा को दिल्ली में बदलाव करने का एक और मौका दे रही है, ताकि जनता के सामने उनकी कार्यशैली पूरी तरह उजागर हो सके।
सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने पिछले साल भी यही रणनीति अपनाई थी, ताकि भाजपा अपने 'चारों इंजन' का उपयोग कर सके और काम न करने के लिए कोई बहाना न बना सके। उन्होंने दावा किया कि बीते एक साल के अनुभव ने साबित कर दिया है कि सभी संसाधन और जिम्मेदारियां होने के बावजूद भाजपा दिल्ली में बदलाव लाने में असफल रही है। उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'चार इंजन' होने के बावजूद राजधानी में समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।
भारद्वाज के मुताबिक, केंद्र सरकार, एलजी, मुख्यमंत्री, मेयर और स्थायी समिति जैसे अहम पदों पर भाजपा के नियंत्रण के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा को शासन चलाना नहीं आता, जबकि विकास कार्य करने की क्षमता केवल आम आदमी पार्टी के पास है।

यूपी के स्कूलों में कार्यवाहक प्रधानाचार्यों को अब नियमित की तर्ज पर वेतन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने कार्यवाहक प्रधानाचार्यों को नियमित प्रिंसिपल की तर्ज पर वेतन जारी किए जाने के निर्देश दिए हैं। मंडलों को इस संबंध में सरकार का रुख साफ किया गया है। इसके बाद माना जा रहा है कि एडेड सेकेंडरी स्कूलों के कार्यवाहक प्रधानाचार्यों को जल्द ही नियमित प्रधानाचार्यों के समान वेतन जारी किया जाना शुरू हो जाएगा। दरअसल, योगी सरकार ने इस मामले में रुख को कड़ा किया है। सरकार के रुख को देखते हुए मंडलों के स्तर पर इस संबंध में आदेश जारी किए जाने लगे हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार के कड़े रुख के बाद मंगलवार को आजमगढ़ मंडल में संयुक्त शिक्षा निदेशक ने निर्देश जारी किए। उन्होंने निर्देश दिया है कि मंडल के सभी जिला विद्यालय निरीक्षक को जिले के एडेड स्कूल मैनेजमेंट से तत्काल प्रस्ताव मंगाएं। इस प्रकार

मामले में दो अन्य मंडलों के संयुक्त शिक्षा निदेशकों ने इसी प्रकार का आदेश जारी किया है। इससे प्रभारी प्रधानाचार्यों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

हाई कोर्ट ने जारी किया आदेश

हाई कोर्ट ने समान काम के लिए समान वेतन दिए जाने का आदेश जारी किया था। हाई कोर्ट ने आदेश में कहा था कि अगर किसी वरिष्ठ शिक्षक के हस्ताक्षर प्रमाणित हो चुके हैं। वह कार्यवाहक प्रधानाचार्य के रूप में कार्य कर रहा है तो ऐसे शिक्षक को हस्ताक्षर प्रमाणन के तीन माह बाद से लेकर नियमित प्रधानाचार्य की नियुक्ति होने तक अथवा उसके सेवानिवृत्त होने तक प्रधानाचार्य पद का पूर्ण वेतनमान दिया जाएगा।
हाई कोर्ट ने इस मामले में 'समान कार्य के लिए समान वेतन' के सिद्धांत को आधार बनाया है। कोर्ट ने साफ किया है कि अगर कोई शिक्षक वास्तविक तौर पर प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी निभा रहा है तो उसे उस पद का वेतन मिलना चाहिए।

मंडल-जिलों में टाल-मटोल

हाई कोर्ट के आदेश के बाद सरकार की ओर से सभी मंडलीय शिक्षा निदेशकों को इसके अनुपालन का आदेश जारी किया। सरकार ने साफ किया कि कोर्ट के आदेश के तहत प्रभारी प्रधानाचार्य को नियमित की तर्ज पर वेतन जारी किया जाए। हालांकि, इस मामले में मंडल से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारी सरकार के आदेश का पालन कराने में टाल-मटोल करते दिखे।

फंदे पर लटकता मिला प्रेमी, फर्श पर पड़ी थी प्रेमिका की लाश;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तुगलपुर। ग्रेटर नोएडा के तुगलपुर में लिव-इन पार्टनर गुड्डू और ज्योति के शव बंद कमरे से मिले. दुर्गंध आने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा, तो गुड्डू फंदे से लटका और ज्योति मृत मिली. शुरुआती जांच में बेरोजगारी के कारण हुए विवाद को हत्या और आत्महत्या की वजह माना जा रहा है. ग्रेटर नोएडा में एक बंद कमरे से प्रेमी और प्रेमिका के शव बरामद हुए हैं. पुलिस को शुरुआती जांच में हत्या और आत्महत्या का शक है. फिलहाल, पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचित कर दिया है.
आपको बता दें कि घटना नॉलेज

पार्क थाना क्षेत्र के तुगलपुर की है. यहां गुड्डू पासवान उर्फ गोलू (30) अपनी लिव-इन पार्टनर ज्योति के साथ किराए के मकान में रहता था. पुलिस को देर रात एक बंद कमरे से दुर्गंध आने की सूचना मिली थी. मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि कमरा अंदर से बंद था. दरवाजा तोड़ने पर अंदर गुड्डू का शव फंदे से लटका मिला, जबकि ज्योति का शव पास ही पड़ा था. बताया जा रहा है कि ज्योति एक निजी अस्पताल में हाउसकीपिंग का काम करती थी, लेकिन पिछले 20 दिनों से वह अस्पताल नहीं गई थी. गुड्डू कोई काम नहीं करता था. स्थानीय लोगों ने दोनों को पिछले दो दिनों से नहीं देखा था. ये दोनों देवरिया जिले के रहने वाले थे और लगभग तीन साल पहले किराए पर रहने आए थे.
पड़ोसियों के अनुसार, दोनों के बीच अक्सर गुड्डू के बेरोजगार होने को लेकर झगड़ा होता था.
ज्योति नौकरी करती थी, लेकिन जब उसने भी काम छोड़ दिया तो घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया, जिससे उनके बीच विवाद और बढ़ गया था. पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है. नॉलेज पार्क थाना प्रभारी ने बताया कि रात्रि में कमरे से बदबू आने की सूचना मिली थी.
मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा गया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया.
घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया था.

गरीबों से लिए दस्तावेज, फर्जी फर्म बनाई और कर डाला 1.3 करोड़ का खेल... लखनऊ में GST फ्रॉड की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। में जीएसटी चोरी की ऐसी कहानी सामने आई है, जो हैरान कर देने वाली है. यहां क्राइम ब्रांच और रहीमाबाद पुलिस ने मिलकर एक गैंग को पकड़ा है. यह पूरा रैकेट फर्जी कंपनियां बनाता था और करोड़ों रुपये का लेनदेन दिखाकर टैक्सी चोरी करता था. फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस फर्जीवाड़े के जरिए अब तक कितने बड़े स्तर पर टैक्स चोरी की गई है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं. पुलिस के मुताबिक, यह गैंग बेहद सुनियोजित तरीके से काम कर रहा था. आरोपी पहले गरीब और जरूरतमंद लोगों को अपने जाल में फंसाते थे. उन्हें पैसों का लालच

देकर उनके जरूरी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता डिटेल, मोबाइल नंबर आदि हासिल कर लिए जाते थे. इसके बाद इन दस्तावेजों के आधार पर फर्जी किरायानामा और बिजली बिल तैयार किए जाते थे. इन नकली कागजातों के जरिए जीएसटी फर्म का रजिस्ट्रेशन कराया जाता था. यानी कागजों में कंपनियां पूरी तरह वैध दिखाई देती थीं, लेकिन असल में उनका कोई वास्तविक कारोबार नहीं होता था.
इन फर्जी फर्मों के माध्यम से आरोपी करोड़ों रुपये का बोगस कारोबार दिखाते थे. खास तौर पर यह गिरोह फर्जी इनवॉइस बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) बेचता था. यानी बिना किसी असली लेनदेन के टैक्स का फायदा दूसरे लोगों को अवैध तरीके से पहुंचाया जा रहा था. इसके बदले आरोपी मोटा कमीशन लेते थे. पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि लेनदेन को असली दिखाने के लिए फर्जी ई-वे बिल भी बनाए जाते थे. इससे कागजों में सब कुछ सही नजर आता था और लंबे समय तक यह गड़बड़ी पकड़ी नहीं जा सकी. इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रविंदर गिरि को गिरफ्तार कर लिया है. उससे पूछताछ की जा रही है, ताकि इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके. पुलिस को शक है कि इस गिरोह में कई और लोग शामिल हो सकते हैं और इसका नेटवर्क अन्य शहरों तक भी फैला हो सकता है. तकनीकी जांच और निगरानी के जरिए पुलिस ने इस पूरे फर्जीवाड़े की कड़ियों को जोड़ा और आखिरकार गिरोह का भंडाफोड़ किया. अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) किरन यादव ने बताया कि इस पूरे मामले में आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है. उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.

'सुअर का दूध पीते हैं क्या'; गौहत्या मामले में बड़ा बयान, बंगाल के बाद क्कमें गौमाता का मुद्दा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक बयान इस समय पश्चिम बंगाल के चुनावी मैदान में खूब सुर्खियों में है। इसमें वे नारा देते दिखे हैं, 'गौमाता को कटने नहीं देंगे, हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे'। अब इस मुद्दे को उत्तर प्रदेश में भी उतारने की तैयारी है। गोरखपुर में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया। इसमें उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि जो गाय खाते हैं, क्या वे सूअर का दूध पीते हैं? कोई गाय को माने या न माने, दूध गाय ही पीते हैं । कोई बच्चा होगा तो मां का ही दूध पीयेगा। सीएम योगी ने भारत की ऋषि परंपरा का जिक्र किया।
सीएम योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिलाओं को उचित सम्मान दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका ऋषि परंपरा में भी उल्लेख मिलता है। भारत के इतिहास और इसकी परंपरा में मातृशक्ति सदैव प्रतिष्ठित रही है। माताओं के नाम से जोड़कर भगवान राम को कौशल्यानंदन, प्रभु कृष्ण को यशोदानंदन, भीष्म पितामह को गांगेय, अर्जुन को कौंतेय कहा जाना इसी का प्रमाण है। श्रीराम में श्री शब्द माता सीता के लिए है। श्रीकृष्ण की धरा मथुरा-वृंदावन में हर संबोधन राधे-राधे के नाम से शुरू होता है। काशी में नमः पार्वती पतये का उद्घोष होता है।

गौमाता क्यों बनी मुद्दा?

दरअसल, पिछले दिनों गौमाता और गोहत्या का मुद्दा खासी चर्चा में रहा है। प्रयागराज माघ मेले के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और प्रयाराज प्रशासन के बीच स्नान को लेकर खींचतान हुई। इसके बाद शंकराचार्य ने योगी सरकार पर निशाना साधा। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस से लेकर अखिलेश यादव तक शंकराचार्य के पक्ष में खड़े दिखे। शंकराचार्य के अपमान का मुद्दा छेड़ा गया। इसके जरिए ब्राह्मणों की नाराजगी के मुद्दे को हवा दी गई। माघ मेले के बाद शंकराचार्य अन्य विवादों में घिरे। इस दौरान भी यही स्थिति रही। अब शंकराचार्य ने गोहत्या का मुद्दा गरमा दिया है। पिछले दिनों इस मुद्दे पर उन्होंने यात्रा निकाली।
बंगाल के चुनावी मैदान में उतरे सीएम योगी ने गौमाता को कटने नहीं देंगे का नारा देकर एक माहौल खड़ा कर दिया। शंकराचार्य जिस मुद्दे को लेकर लड़ाई लड़ रहे, विपक्षी दल उस पर कुछ नहीं बोल रहा। वहीं, सीएम योगी बंगाल के बाद यूपी में भी आक्रामक दिख रहे हैं। ऐसे में कभी शंकराचार्य का समर्थन करने वाले दल या नेता इस मुद्दे पर बिल्कुल चुप्पी साधे हैं। वहीं, हिंदुत्व और गौमाता के मुद्दे को राजनीतिक मैदान में उतार रहे हैं।

सीएम योगी ने क्या कहा?

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गौमाता को लेकी कहा कि दुनिया में किसी भी देश में वह गाय को माने या न माने, लेकिन दूध गाय का ही पीता होगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या जो लोग गाय को खाते हैं, क्या वे सूअर का दूध पीते हैं? उन्होंने जवाब दिया, नहीं सब लोग गाय का ही दूध पीते हैं। कोई बच्चा होगा, वह मां का ही दूध पिएगा। यह प्रकृति से प्रदत्त उपहार है। दैवीय उपहार है। समुद्र मंथन से निकला हुआ वह रत्न है जो हमें मातृ शक्ति के संबोधन के साथ जोड़ता है। इसीलिए, भारत की ऋषि परंपरा ने इसको उसी रूप में आगे बढ़ाया। हमने उसकी महत्ता को हर स्तर पर सम्मान देते हुए आगे बढ़ने का काम किया है।
बंगाल चुनाव का जिक्र सीएम योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में बंगाल चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी एक चुनावी रैली का संस्मरण साझा करते हुए कहा कि वहां की आधी आबादी ने सत्ता परिवर्तन का संकल्प कर लिया है। उन्होंने कहा कि हावड़ा के पास टीएमसी का प्रत्याशी, भाजपा उम्मीदवार को मंच नहीं लगाने दे रहा था। वहां हमारे हेलीकॉप्टर के उतरने से 15 मिनट पहले हजारों की संख्या में नारी शक्ति आ गईं और उन्होंने 45 डिग्री तापमान में भाजपा का समर्थन किया। यह परिवर्तन की लहर को बताता है।

महिलाओं के उत्थान की चर्चा

सीएम योगी आदित्यनाथ डबल इंजन सरकार में महिलाओं के उत्थान का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने सरकारी योजनाओं में महिलाओं को आगे बढ़ाए जाने की बात कही। पीएम नरेंद्र मोदी के स्तर पर चलाई गई उज्ज्वला योजना, शौचालय योजना से लेकर लाखपती दीदी योजना तक का जिक्र किया। साथ ही, यूपी पुलिस में नियुक्तियों की बात कही। योगी ने कहा कि 2017 के पहले सपा सरकार में मध्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोगों ने बेटियों को स्कूल भेजना बंद कर दिया था। आज बेटियां बिना रोक-टोक स्कूल जा रही हैं। उन्होंने महिला अपराधों पर एक्शन का भी जिक्र किया।

दिल्ली में 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' पर रेखा सरकार सख्त,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में वायु प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार सख्त रुख अपनाती नजर आ रही है। बुधवार को सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राजधानी में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए 'पीयूसी नहीं तो ईंधन नहीं' नियम को सख्ती से लागू करें।
कब शुरू हुआ था नो पीयूसी
नो फ्यूल रूल सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हालांकि यह पहल पिछले दिसंबर में शुरू की गई थी, फिर भी कई वाहन वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र के बिना चल रहे हैं। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस और प्रभावी उपायों की आवश्यकता है। यह निर्णय उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्या है नए निर्देश

उन्होंने कहा कि सरकार स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने और सतत एवं व्यापक उपायों के माध्यम से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। नए निर्देश के अनुसार, ईंधन केवल वैध पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों में ही डाला जाएगा, और सभी पेट्रोल पंपों और गैस स्टेशनों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया गया है।

बिना PUC चल रही गाड़ियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में वाहन वैध प्रमाण पत्र के बिना चल रहे हैं, जिससे शहर में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। अधिकारियों के अनुसार, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, परिवहन विभाग, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यातायात पुलिस को इस निर्देश को लागू करने का जिम्मा सौंपा गया है। सीएम गुप्ता ने अधिकारियों को दी चेतावनी
मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि किसी भी चूक या लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और सभी संबंधित एजेंसियों में जवाबदेही स्पष्ट रूप से तय की गई है।

दिल्ली से केदारनाथ धाम कैसे पहुंचे, रूट और दूरी जान लीजिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। केदारनाथ धाम के भी कपाट खुल गए हैं। लोग बाबा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर से भी लोगों की भीड़ पहुंच रही है। दिल्ली से केदारनाथ धाम की दूरी 450 से 460 किलोमीटर है। सड़क मार्ग से 14 से 16 घंटे लगते हैं।

सड़क मार्ग से दिल्ली से केदारनाथ कैसे जाएं

दिल्ली से हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गुप्तकाशी, सोनप्रयाग पहुंचे और यहीं पर गाड़ी खड़ी कर दें। इसके बाद गौरीकुंड पहुंचे। गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक 16 से 18 किलोमीटर का सफर पैदल ही तय करना पड़ता है या फिर घोड़ा-खच्चर और पालकी ले सकते हैं। दिल्ली से केदारनाथ तक का सफर तय करने में 14 से 16 घंटे लगते हैं।

ट्रेन मार्ग से दिल्ली से केदारनाथ कैसे पहुंचे

दिल्ली से देहरादून और ऋषिकेश के लिए ट्रेनें हैं। दिल्ली से ट्रेन पकड़कर देहरादून या ऋषिकेश पहुंचे और फिर यहां से सोनप्रयाग के लिए बस या टैक्सी से आगे का सफर तय कर सकते हैं। सोनप्रयाग से गौरीकुंड और फिर गौरीकुंड से पैदल या घोड़ा-खच्चर ले सकते हैं।

हवाई मार्ग से दिल्ली से केदारनाथ धाम कैसे पहुंचे

हवाई सफर करने के लिए लोगों को दिल्ली एयरपोर्ट से देहरादून के जॉली ग्रांट एयरपोर्ट के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद फिर सार्वजनिक वाहन के जरिए केदारनाथ धाम पहुंच सकते हैं।

दिल्ली NCR में घरेलू नौकरों के अपराधों का पुराना इतिहास,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अमर कॉलोनी में घर के अंदर हुए हत्याकांड में पुलिस की जांच अब नए मेड़ पर भी पहुंच गई है। मुख्य आरोपी पर जहां दिल्ली में 22 वर्षीय युवती की हत्या और दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ है। जांच में पता चला है कि आरोपी पहले राजस्थान के अलवर में एक महिला के साथ दुष्कर्म के मामले में भी शामिल रहा है। इस मामले का खुलासा होने के बाद केस और गंभीर हो गया है। पुलिस इसे एक संभावित सीरियल आपराधिक प्रवृत्ति के तौर पर भी देख रही है।

इस बीच, अलवर में उसके खिलाफ दुष्कर्म के ममले की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई और तेज हो गई थी। आरोपी की तस्वीर मिलने के बाद जांच एजेंसियों को उसकी पहचान और मूवमेंट ट्रैक कर उसे पकड़ने में मदद मिली।
बारीकी से जुटाए जा रहे सबूत अधिकारियों का कहना है कि इस केस को मजबूत बनाने के लिए सभी सबूतों की बारीकी से जुटाया जा रहा है, ताकि आरोप साबित किए जा सकें। अदालत में पुख्ता तरीके से पुलिस को तीन सीसीटीवी फुटेज मिली हैं। फुटेज में आरोपी पीले रंग की शर्ट और काले रंग की पैट पहनकर फोन पर बात करते हुए घर के अंदर जाता दिखाई दे रहा है। बाहर निकलते समय आरोपी के कपड़ों में बदलाव देखा गया है। फुटेन में वह सफेद रंग की पैंट पहने हुए नजर आ रहा है और उसके कंधे पर एक बैग भी है। घरेलू नौकरों ने कब-कब की वारदात 17 मई 2026 में तुगलक रोड स्थित गोल्फ लिंक में फिल्मों अंदाज में पुराने नौकर ने परिवार को बंधक बनाकर साथियों के साथ डकैती की थी।
2025 लाजपत नगर में घरेलू नौकर ने रुचिका सेवानी और उनके 14 वर्षीय बेटे की हत्या की, आरोपी नौकर गिरफ्तार कोहाट एनक्लेव में बुजुर्ग दंपती मोहिंदर सिंह और दलजीत कौर की हत्या कर घरेलू नौकर ने की लूटपाट, आरोपी पकड़ा गया वसंत कुज में 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर हमला कर घरेलू नौकर ने घर में लूटपाट की, गिरफ्तार न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में अमीर गुप्ता नाम के व्यवसायी के घर में 1 करोड़ की चोरी, नौकर सुमित पकड़ा
डिफेंस कॉलोनी में 80 लाख की चोरी में नौकर निर्मल मलिका गिरफ्तार
मॉडल टाउन में डॉक्टर के यहां से तीन घरेलू नौकरानी 30 लाख लेकर फरार
2024 मालवीय नगर के पचशील पार्क में बुजुर्ग रोहित कुमार (64) की हत्या में नौकर अभय सिकरवार पकड़ा
जंगपुरा इलाके में बुजुर्ग डॉक्टर योगेश चंद्र पॉल की हत्या कर लूटपाट में घरेलू नौकरानी साथियों संग गिरफ्तार
कमला नगर में 52 वर्षीय महिला को खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर घरेलू नौकरानी 20 लाख की नकदी और जूलरी लेकर फरार

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

2 करोड़ की ठगी, घर-जमीन छिनी, मां ने की आत्महत्या...शहीद के बेटे की रूह कंपा देने वाली कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में उपजिलाधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) बनाने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले पुणे के एक गिरोह के काले कारनामे एक-एक कर सामने आ रहे हैं. इस गिरोह ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए उस शहीद के बेटे को अपना शिकार बनाया, जिसने जंगलों में नक्सलियों की गोलियां अपने सीने पर झेलकर देश के लिए बलिदान दिया था. हाथ से गई जमापूंजी, जमीन और घर इस धोखे के कारण न केवल अधिकारी बनने का सपना टूटा, बल्कि जमापूंजी, जमीन और घर भी हाथ से निकल गया. सदमे में उसकी शहीद की पत्नी और उसकी मां ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली. यह दर्दनाक दास्ता गढ़चिरौली के दुर्गानगर निवासी 27 साल के सागर गणपत मडावी की है. पुलिस के अनुसार, सागर के पिता गणपत मडावी साल 2013 में एटापल्ली के तोडगट्टा में नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद हुए थे. सागर अपने पिता की तरह ही बड़ा अधिकारी बनकर समाज सेवा करना चाहता था. पुणे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान उसकी मुलाकात ज्ञानेश्वर वरे से हुई. वरे ने दावा किया कि 'मंत्रालय' में उसकी ऊंची पहुंच है और वह सागर को सीधे उपजिलाधिकारी बनवा सकता है. सीधे डिप्टी कलेक्टर बनाने का दावा आरोपियों ने न केवल सागर, बल्कि उसके भाई-बहन को भी सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया. ठगों की मांग पूरी करने के लिए सागर ने पिता के बलिदान के बाद मिली पूरी सरकारी आर्थिक सहायता दांव पर लगा दी . इसके अलावा घर के जेवर, गढ़चिरौली और एटापल्ली के कीमती प्लॉट्स भी बेच दिए. यहां तक कि उसने अपना पुश्तैनी घर भी बेच दिया और अंत में अपनी बीमा पॉलिसी तुड़वा दी. बर्बादी के गम में मां ने दी जान 2 करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूले जाने के बाद भी जब सागर को नौकरी नहीं मिली, तब उसे ठगी का एहसास हुआ. उसने पुलिस निरीक्षक विनोद चव्हाण के पास अपनी पूरी कहानी सुनाई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया. शहीद की पत्नी मीनाबाई मडावी को उम्मीद थी कि उनके बच्चे अधिकारी बनेंगे. लेकिन जब उन्हें पता चला कि वे पूरी तरह बर्बाद हो चुके हैं और सिर पर छत भी नहीं बची, तो उनका धैर्य जवाब दे गया. इसी मानसिक तनाव और विवशता में उन्होंने 4 जनवरी 2026 को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. गढ़चिरौली पुलिस ने मुख्य आरोपी ज्ञानेश्वर शिवाजी वरे को गिरफ्तार कर लिया है. 21 अप्रैल को अदालत ने उसे चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है. इस गिरोह में 'महाजन' नाम का एक व्यक्ति खुद को मंत्रालय का बड़ा अधिकारी बताता था. वरे के साथ अजय भगत, मुकेश यादव और संदीप कुमार भी इस साजिश में शामिल थे. ये चारों फिलहाल फरार हैं.

मुंबई, ठाणे, समेत शहरों के लिए एडवाइजरी जारी, 31 अगस्त तक सोच-समझकर करें यूज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पानी को लेकर अलर्ट जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पानी की सख्त योजना और संरक्षण के उपाय लागू करें, ताकि अगस्त 2026 के आखिर तक पीने के पानी की पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अल नीनो घटना के कारण बारिश में संभावित रुकावटों की चेतावनी भी दी। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब राज्य के बांधों में फिलहाल 653.63 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी जमा है। यह पिछले साल इसी समय के 551.86 हजार मिलियन क्यूबिक फीट के मुकाबले 101.77 हजार मिलियन क्यूबिक फीट ज्यादा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (जल संसाधन) दीपक कपूर ने राज्य कैबिनेट की समीक्षा बैठक में जलाशयों के जल स्तर से जुड़े आंकड़े पेश किए और अल नीनो से जुड़े जोखिमों के प्रति आगाह किया। पिछले रुझान बताते हैं कि ऐसे वर्षों में जल भंडारण में भारी गिरावट आती है। 2014 में जलस्तर 12 प्रतिशत और 2015 में लगभग 14 प्रतिशत तक गिर गया था, जिससे बड़े पैमाने पर पानी की किल्लत पैदा हो गई थी।

ऐसे घट रहा पानी

15 अक्टूबर 2014 को जल भंडारण 872 हजार मिलियन क्यूबिक फीट था, जो 2015 में तेजी से गिरकर 625 हजार मिलियन क्यूबिक फीट रह गया था। इसके विपरीत, 2025 में इसी तारीख को जल भंडार काफी ज?यादा, यानी 1330.97 हजार मिलियन क्यूबिक फीट था। 21 अप्रैल 2026 तक जल भंडारण 653.63 हजार मिलियन क्यूबिक फीट है, जो पिछले साल के मुकाबले ज?यादा है, लेकिन अगर बारिश कम होती है तो यह स्थिति नाजुक हो सकती है।

देवेंद्र फडणवीस ने पानी को लेकर की दूसरी बैठक

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे संभावित कमजोर मॉनसून के प्रभाव को कम करने के लिए अभी से पानी बचाना शुरू कर दें। उन्होंने जल संरक्षण की परियोजनाओं में तेजी लाने, प्रबंधन प्रणालियों में सुधार करने और पानी के पारंपरिक स्रोतों को पुनर्जीवित करने का भी आह्वान किया। यह इस सप्ताह मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली दूसरी उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक थी।

इससे पहले उन्होंने अल नीनो से जुड़ी चुनौतियों की आशंका को देखते हुए विभागों को आपदा से निपटने की तैयारियों और विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने जल प्रबंधन कार्य पखवाड़ा पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से जल प्रबंधन को और अधिक गतिशील, जन-केंद्रित और प्रभावी बनाना है।

ठाणे में गाड़ियों के धोने पर रोक

वहीं ठाणे महानगरपालिका ने बढ़ती गर्मी के बीच जल स्तर में गिरावट को देखते हुए शहरभर के सर्विस सेंटरों पर वाहनों की धुलाई पर 10 जून तक प्रतिबंध लगा दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और महानगरपालिका आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और संभावित जल संकट से बचने के लिए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

बांधों का जलस्तर घटा

नगर निकाय के मुताबिक, शहर को पानी उपलब्ध कराने वाले बांधों में जल भंडार लगातार घट रहा है। भीषण गर्मी के कारण कुओं और बोरवेल का भूजल स्तर भी नीचे चला गया है। अधिकारियों ने बताया कि जल संरक्षण उपायों के तहत दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया और अन्य वाहनों की सर्विस सेंटरों पर धुलाई व सफाई पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। यह रोक 10 जून तक लागू रहेगी।

तिलक लगाना छोड़ो और पूजा बंद करो...बाइबल थमाकर बोले; अब तुम ईसाई बन गए,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के भीकनगांव थाना क्षेत्र में कथित रूप से धर्मांतरण कराने के प्रयास का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक ग्रामीण की शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम बमनाला निवासी बबलू पिता राजेश दागोडे (29 वर्ष) ने शिकायत दर्ज कराई है कि बुधवार दोपहर करीब 12 बजे वह सेल्दा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान उसने राजू बडोले के घर पर काफी भीड़ देखी। जब वह वहां पहुंचा तो उसे घर के अंदर बुलाया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, अंदर मौजूद लोगों ने उसे ईसा मसीह की प्रार्थना करने के लिए कहा और बताया कि ऐसा करने से वह हमेशा स्वस्थ रहेगा तथा उसकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। आरोप है कि उसे अपने पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाज छोड़ने के लिए भी कहा गया। उसे हिंदू देवी-देवताओं की पूजा बंद करने, तिलक न लगाने और अपने धर्म का पालन नहीं करने के लिए कहा गया। धर्म बदलो, बीमारी दूर होगी-खरगोन में चार गिरफ्तार ग्रामीण इलाकों में प्रलोभन-डर दिखाकर धर्मांतरण खरगोन जिले में पहले भी धर्मांतरण के मामले सामने आए आदिवासी इलाकों में प्रार्थना सभा के नाम पर बरगला रहे कैंसर जैसी बीमारियों तक के ठीक होने का दावा करते हैं प्रार्थना के नाम पर ग्रामीणों को एकत्र कर धर्मांतरण भीकनगांव मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार बाइबल देकर कहा, अब तुम ईसाई बन चुके हो! शिकायत में यह भी उल्लेख है कि कुछ देर बाद उसे बाइबल दी गई और कहा गया कि वह अब ईसाई बन चुका है। साथ ही उसे नए धर्म के फायदे बताए गए और यह भरोसा दिलाया गया कि धर्म बदलने के बाद उसे किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की घटना के बाद शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही भीकनगांव थाना क्षेत्र की बमनाला पुलिस चौकी ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चार लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों में राजू बडोले निवासी बमनाला, बबलू जमरे निवासी ढसलगांव, पंकज बारिया निवासी झाबुआ और सेतु मेडा निवासी झाबुआ शामिल हैं। सभी के खिलाफ मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 की धारा 3 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य संबंधित व्यक्तियों से भी पूछताछ की जाएगी। फिलहाल पुलिस साक्ष्य एकत्र करने और मामले की पुष्टि करने में जुटी हुई है

स्कूल में किसानों को जमीन अधिग्रहण पर अब मिलेगा 4 गुना मुआवजा, मोहन सरकार का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्यप्रदेश। की डॉ. मोहन यादव सरकार ने किसानों के हित में एक ऐसा फैसला लिया है जिसे राज्य के इतिहास में 'ऐतिहासिक' माना जा रहा है. सीएम की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में किसानों और किसान संगठनों की मांग पर यह बड़ा फैसला लिया गया. इसके तहत अब राज्य में विकास परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण करने पर किसानों को उनकी जमीन की वैल्यू का चार गुना मुआवजा दिया जाएगा. मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने भूमि अधिग्रहण कानून (2013 अधिनियम) के तहत मुआवजे के 'फैक्टर' को 1 से बढ़ाकर 2 करने का निर्णय लिया है. साल 2014-15 के नियमों के अनुसार, अब तक किसानों को उनकी जमीन की कीमत का दोगुना मुआवजा मिलता था. लेकिन अब फैक्टर-2 लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में यह राशि सीधे दोगुनी होकर कुल गाइडलाइन वैल्यू की चार गुना हो जाएगी. ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को जमीन अधिग्रहण पर चार गुना तक मुआवजा मिलेगा. डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अक्सर सरकारी गाइडलाइन रेट बाजार भाव से कम होते हैं, जिससे किसानों को अपनी पुश्तैनी जमीन देने में आर्थिक नुकसान महसूस होता था. इससे सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों, रेल लाइनों और बांधों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण में देरी होती थी. सरकार का मानना है कि चार गुना मुआवजा मिलने से किसान अब स्वेच्छा से विकास कार्यों के लिए जमीन देने को आगे आएंगे, जिससे परियोजनाओं की गति बढ़ेगी और किसानों के जीवन में समृद्धि आएगी. मध्य प्रदेश में प्रतिवर्ष सड़क, पुल, सिंचाई और एक्सप्रेसवे जैसे कार्यों के लिए लगभग 70,000 से 75,000 करोड़ का निवेश होता है. आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में लोक निर्माण विभाग ने लगभग 10,000 करोड़ का मुआवजा दिया है. नई व्यवस्था के तहत यह राशि अब करीब 20,000 करोड़ हो जाएगी, जो सीधे किसानों के खातों में जमा की जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि 'किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह निर्णय विकास और किसान हितों के बीच संतुलन स्थापित करेगा.'

बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी को नोटिस, तीन दिन में जवाब मांगा, धमकी और बयानबाजी पर कार्रवाई के संकेत

शिवपुरी. भारतीय जनता पार्टी ने शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट से विधायक प्रीतम सिंह लोधी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है. पार्टी ने उनके हालिया आचरण को अनुशासनहीन मानते हुए तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की तरफ से जारी इस नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि विधायक के व्यवहार को पार्टी नेतृत्व ने गंभीरता से लिया है. नोटिस में विधायक से उनके आचरण को लेकर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है और चेतावनी दी गई है कि समय पर जवाब नहीं मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी पर कार्रवाई तेज

पूरा विवाद 16 अप्रैल की घटना से जुड़ा बताया जा रहा है. इस दिन विधायक के बेटे की थार गाड़ी से हुई घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई से नाराज होकर विधायक ने करैरा एसडीओपी आयुष जाखड़ के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था. इसके साथ ही उन पर धमकी देने के आरोप भी लगे हैं, जिसमें उन्होंने कथित रूप

से अधिकारी के घर में गोबर भर देने जैसी बात कही थी.

बीजेपी ने मांगा तीन दिन में जवाब मांगा

इस बयान के बाद प्रदेश भर में आईपीएस अधिकारियों के बीच नाराजगी की स्थिति बन गई थी. मामला बढ़ने के बाद पार्टी नेतृत्व ने इसे अनुशासन का गंभीर उल्लंघन माना और तत्काल नोटिस जारी किया. आईपीएस को धमकी देने के आरोप पार्टी का कहना है कि किसी भी जनप्रतिनिधि से इस तरह के व्यवहार की अपेक्षा नहीं की जाती और संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयानों पर कार्रवाई तय है. फिलहाल विधायक प्रीतम लोधी की ओर से इस नोटिस पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. अब सभी की नजरें उनके जवाब पर टिकी हुई हैं.

बड़वानी में नदी में नहाने गए तीन भाई-बहनों की डूबने से मौत, किनारे पर पड़े थे कपड़े और जूते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। के वरला थाना क्षेत्र में नदी में डूबने से तीन भाई-बहनों की मौत हो गई है। पुलिस ने शवों का पीएम करवाकर गुरुवार की सुबह उन्हें सौंप दिया है। घटना के बाद गांव में मातम में पसरा है।

नदी में डूबे तीनों भाई बहन

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के वरला थाना क्षेत्र में नदी में नहाने के दौरान तीन भाई बहनों की मृत्यु हो गई। उनके शव निकाल लिए गए हैं और आज पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवाया है।

तीनों भाई बहनों की मौत

दरअसल, वरला थाना पुलिस के अनुसार 10 वर्षीय राधा, 8 वर्षीय राजवीर और 6 वर्षीय जयवीर की डूब जाने के चलते मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि देवली के पवन ब्राह्मणे के तीनों बच्चे बुधवार दोपहर अपने मामा के घर बिलवा पनाली आए थे। पवन की बड़ी पुत्री राधिका पहले से यहां पर एक अन्य मामा के घर आयी हुई थी।

नदी में नहाने गए तो डूब गए

दोपहर बच्चों ने खाना खाया और

अपनी बड़ी बहन राधिका से मिलने की जिद की और चले गए। इसी बीच रास्ते में अनेर नदी में उनकी नहाने की इच्छा की और वह नहाने लगे। बड़वानी पुलिस सूत्रों ने बताया कि वह तैरना जानते थे, लेकिन यहां गहराई ज्यादा होने के चलते डूब गए। मामा के घर गए थे तीनों नदी में नहाने गए तीन भाई बहनों की मौत बिलवा गांव स्थित अनेर नदी में नहाने गए थे तीनों शाम को नदी में मिले तीनों के शव पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच नदी के पास दिखे कपड़े और जूते जब काफी देर तक बच्चे नहीं लौटे तो परिजनों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। वे सबसे पहले राधिका के पास गए जो दूसरे मामा के यहां रह रही थी। उन्होंने बताया कि तीनों बच्चे यहां नहीं आए। इसके बाद शाम को नदी के पास उनके कपड़े और जूते चप्पल दिखाई दिए। तीनों के शव बाहर निकाले गए और अस्पताल भेजे गए। घटनाक्रम देख कर मृतक बच्चों के माता-पिता बेहोश हो गए उनका भी उपचार कराया गया।

शादी की खुशियों में मातमः कुंभराज में 'हर्ष फायर' ने ली युवक की जान, दूल्हे और बारातियों को पुलिस ने उठाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। जिले के कुंभराज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गठियागांव में बुधवार तड़के खुशियों का माहौल उस समय चीख-पुकार में बदल गया, जब शादी के जश्न में की गई फायरिंग ने एक निर्दोष की जान ले ली। 'हर्ष फायर' की इस घातक परंपरा ने न केवल एक परिवार का चिराग बुझा दिया, बल्कि शादी की रस्मों को भी थाने की चौखट तक पहुंचा दिया। घटना के बाद पुलिस ने दूल्हे सहित उसके रिश्तेदारों को हिरासत में ले लिया है।

तड़के 4 बजे हुआ खूनी हादसा

जानकारी अनुसार, राजगढ़ जिले के ब्यावरा तहसील के मलावर थाना क्षेत्र स्थित ग्राम खेड़ी गिन्दौर मीना से एक बारात कुंभराज के गठियागांव आई थी। पूरी रात नाच-गाने और उल्लास का माहौल रहा। बुधवार सुबह करीब 4 बजे, जब शादी की रस्में अंतिम चरण में थीं, तभी बारात में शामिल कुछ लोगों ने उत्साह में आकर अपनी बंदूक से हवाई फायर करना शुरू कर दिया। इसी दौरान अचानक चली एक गोली सीधे वहां मौजूद दो युवकों को जा लगी। गोली चलाने वाले आरोपी का नाम श्रवण मीणा बताया जाता है।

एक की मौत, दूसरा अस्पताल में संघर्षरत

गोली लगने से घनश्याम मीणा पुत्र बालकृष्ण मीणा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, पास में खड़े चंदन सिंह मीणा भी गोली के छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली चलते ही शादी समारोह में भगदड़ मच गई और मेहमान अपनी जान बचाकर भागने लगे। घायल चंदन सिंह को तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

पुलिस ने दूल्हा और रिश्तेदार को हिरासत में लिया घटना की सूचना मिलते ही कुंभराज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और घटनास्थल का मुआयना किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दूल्हे और उसके कई करीबी रिश्तेदारों को हिरासत में लिया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह कौन सा व्यक्ति था जिसने गोली चलाई और जिस हथियार का उपयोग किया गया, वह लाइसेंसी था या अवैध। हर्ष फायर प्रतिबंधित, लेकिन हनक का शौक प्रशासन द्वारा शादी-समारोहों में हथियार ले जाने और हर्ष फायर करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन इसके बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कुंभराज पुलिस ने मृतक घनश्याम के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद दोनों ही गांवों (खेड़ी गिन्दौर और गठियागांव) में शोक व्याप्त है।

अकोला में भोंदू बाबा का खौफनाक खेल, इंस्टाग्राम रील से खुला राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अकोला। महाराष्ट्र के अकोला जिले से ऐसा मामला सामने आया है, जिसने झकझोर कर रख दिया. यहां एक कथित बाबा बच्चों के इलाज के नाम पर खतरनाक और अमानवीय हरकतें करता था. कभी उन्हें दांतों से उठाता, तो कभी कीलों पर बैठाता. हैरानी की बात यह है कि यह सब लंबे समय से चल रहा था, लेकिन सच तब सामने आया, जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वायरल रील के बाद भोंदू बाबा के खिलाफ एक्शन शुरू हो गया. पुलिस ने चेतन उर्फ गुलाल शेष बाबा पर बच्चों के साथ क्रूरता, अंधविश्वास फैलाने और खतरनाक कृत्य करने की गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है. जांच में सामने आया है कि बाबा हर सोमवार और खास मौकों पर दरबार लगाकर लोगों को चमत्कार के नाम पर गुमराह करता था. बच्चों पर खतरनाक प्रयोग करता था. वहीं, पुलिस ने अन्य संदिग्ध बाबाओं को भी नोटिस जारी कर सख्त चेतावनी दी है कि इस तरह की गतिविधियां तुरंत बंद करें, वरना कड़ी कार्रवाई की जाएगी. मामला अकोला के मूर्तिजापुर तहसील के निंभा गांव का है. यहां कई साल से चेतन सुनील उर्फ गुलाल शेष बाबा अपना दरबार सजाता था. खुद को शक्तियों से संपन्न बताने वाला यह युवक लोगों की बीमारियां, पारिवारिक समस्याएं और बाधाएं दूर करने का दावा करता था. गांव के लोग भी उसके दावों पर यकीन करते थे और अपने बच्चों को उसके पास इलाज के लिए ले जाते थे. लेकिन इस तथाकथित इलाज का सच रोंगटे खड़े कर देने वाला है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जो तस्वीरें सामने आईं, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को अंदर तक हिला देने के लिए काफी हैं. वीडियो में देखा गया कि बाबा छोटे बच्चों को उनके कपड़ों से पकड़कर हवा में झुला रहा है. कुछ क्लिप्स में वह बच्चों को दांतों से उठाता नजर आता है. इतना ही नहीं, कथित तौर पर बच्चों को कीलों से बने आसन पर बैठाया जाता था और इसे उपचार बताया जाता था. इन खतरनाक करतूतों को चमत्कार और देवीय शक्ति का रूप देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा था. यह पूरा मामला तब उजागर हुआ, जब एक इंस्टाग्राम रील के जरिए यह वीडियो सामने आया. अकोला की बाल कल्याण समिति की सदस्य प्रांजली जैस्वाल ने इस वीडियो को देखा और उन्हें इसमें कुछ बेहद आपत्तिजनक लगा. उन्होंने इसकी पुष्टि की और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस हरकत में आई और आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया. पुलिस का कहना है कि आरोपी का यह कृत्य बच्चों की जान के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाला है. साथ ही यह अंधविश्वास फैलाकर लोगों को भ्रमित करने का भी मामला है. गांव में जब मीडिया और जांच टीम पहुंची, तो कई लोगों ने ऑफ कैमरा इस बाबा की करतूतों को लेकर बात की. हालांकि, कैमरे के सामने आने से अधिकांश लोग कतराते नजर आए. यह डर और अंधविश्वास का वही माहौल है, जो ऐसे भोंदू बाबाओं को फलने-फूलने का मौका देता है. हैरानी की बात यह भी है कि सिर्फ निंभा गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाकों में भी इस तरह के कई दरबार लगते हैं

आपकी नौकरी पक्की...' कहकर मुंबई की महिला से ठग लिए 46 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में ठगी के मामले का खुलासा हुआ है. एक शख्स ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर महिला और उसके परिचितों से लाखों रुपये ऐंठ लिए. आरोपी ने खुद को मंत्रालय में काम करने वाला और उच्च अधिकारियों से जुड़ा प्रभावशाली व्यक्ति बताया था. यह ठगी की घटना जून 2024 से सितंबर 2025 के बीच हुई. आरोपी मूल रूप से नासिक का रहने वाला है. उसने मुंबई के भांडुप इलाके में रहने वाली 45 साल की महिला से संपर्क किया. उसने महिला और उसके रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया. आरोपी ने फर्जी दस्तावेज तैयार किए. इन दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे, जिन्हें वह असली सरकारी कागज बताकर पीड़ितों को दिखाता था. इस तरह उसने धीरे-धीरे महिला और उसके जानने वालों का विश्वास जीत लिया. इसके बाद पैसे लेने शुरू किए. पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने महिला से करीब 35.25 लाख रुपये लिए, जबकि एक अन्य व्यक्ति से 14 लाख रुपये ऐंठे. ये रकम डोम्बिवली इलाके में स्थित एक ऑफिस में ली गई थी. समय बीतने के बावजूद जब किसी को नौकरी नहीं मिली, तो पीड़ितों को शक हुआ. उन्होंने आरोपी से पैसे वापस मांगे. शुरुआत में आरोपी ने भरोसा बनाए रखने के लिए करीब 3.25 लाख रुपये लौटा दिए, लेकिन इसके बाद वह बाकी रकम लौटाने में टालमटोल करता रहा. जब पीड़ितों को लगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो महिला ने पुलिस से मामले की शिकायत की. इस शिकायत के आधार पर 20 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक विश्वासघात की धाराओं में केस दर्ज किया है. अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में न आएं और किसी भी तरह के लेनदेन से पहले पूरी जांच-पड़ताल जरूर करें.

मुंबईः वर्ली में BJP रैली पर फूटा महिला का गुस्सा, मंत्री और पुलिस को सुनाई खरी-खोटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वर्ली। मुंबई के वर्ली इलाके में मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की रैली के कारण भारी ट्रैफिक जाम लग गया. इस दौरान अपने बच्चे को स्कूल से लेने जा रही एक महिला यात्री कई घंटों तक जाम में फंसे रहने से धैर्य टूट गया. गुस्से में आकर महिला ने अपनी गाड़ी से बाहर निकली और सीधे मार्च के बीच पहुंचकर महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन और पुलिस को जमकर खरी-खोटी सुनाई. इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसके बाद से बीजेपी की आलोचना हो रही है. वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला ने सड़क बंद होने और आम लोगों को होने वाली असुविधा पर सवाल उठाते हुए भीड़ को वहां से हटने के लिए कहा. उसने मंत्री से सीधे तौर पर कहा कि वो पास के खुले मैदान के बजाय सड़क पर रैली करके ट्रैफिक जाम कर रहे हैं. पुलिस ने जब बीच-बचाव की कोशिश की तो महिला ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात करने की मांग की ट्रैफिक जाम कर रहे हो तुम' वहीं, जब मंत्री गिरीश महाजन ने महिला को शांत करने की कोशिश की तो उसने पलटवार करते हुए कहा कि सैकड़ों लोग जाम में फंसे हुए हैं और पास में ही खाली मैदान उपलब्ध है. महिला ने चिल्लाते हुए कहा, 'यहां से जाओ, तुम ट्रैफिक जाम कर रहे हो. इसी वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरीश महाजन ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों का विरोध करने वाली महिला ने प्रदर्शन के लिए सड़कों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई और अपशब्दों का इस्तेमाल किया. पर वह सभ्य भाषा का इस्तेमाल कर सकती थीं.

वसुंधरा राजे के नाम पर फर्जी लेटर और वीडियो मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

-भोपाल और मोहाली से पकड़े गए आरोपी जयपुर लाए गए

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मध्यप्रदेश और पंजाब से पकड़कर जयपुर लाया गया है। डीसीपी साउथ राजश्री राज ने मीडिया को बताया कि ज्योति नगर थाना पुलिस ने निखिल, बिलाल खान और इनाम अहमद को भोपाल से गिरफ्तार किया, जबकि अमृता धुमाल को मोहाली से हिरासत में लिया गया। चारों आरोपियों को बुधवार को जयपुर लाया गया, जहां उनसे पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाम से संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित एक फर्जी पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए एआई तकनीक की मदद से वीडियो का रूप भी दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर की गई। पुलिस अब चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस कस्टडी की मांग करेगी, ताकि गहन पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क और साजिश का खुलासा किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में और लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इससे पहले जांच में मध्यप्रदेश कनेक्शन सामने आने पर भोपाल पुलिस ने कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इस कार्रवाई पर हरीश चौधरी और सांसद विवेक टांक ने सवाल उठाए थे। हरीश चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि कांग्रेस आईटी सेल के कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में रखना निंदनीय है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने इसे असहमति की आवाज दबाने और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

झारखंड में दो नए चिड़ियाघर बनाने की योजना... 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास देने की तैयारी

रांची (एजेंसी)। झारखंड राज्य में दो नए चिड़ियाघर के निर्माण की प्रक्रिय जारी है। दुमका और गिरिडीह में प्रस्तावित चिड़ियाघर में 200 के करीब वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध करने की तैयारी है। इसके लिए देश के दूसरे वन प्रभाग और नेशनल पार्क से वन्य जीव लाए जाएंगे। इन जीवों को पहले दलमा और सारंडा के रेस्क्यू सेंटर में रखा जाएगा। बता दें कि सारंडा में नई सफारी भी बननी है। हाथियों के लिए बनाए गए इन रेस्क्यू सेंटर पर बाहर से आए जीवों को झारखंड की जलवायु में ढलने का मौका मिलेगा। वन्यजीव विशेषज्ञ ने बताया कि बाघ, चीता जैसे वन्य जीव जल्दी दूसरे जीवों से घुलते मिलते नहीं हैं। नई जगह पर इन्हें आरामदायक माहौल नहीं मिलने पर इनकी मृत्यु तक हो जाती है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए चीते की मौत के बाद केंद्रीय वन्यजीव संस्थान ने इनके ट्रांसपोर्ट और रिहेब्लिटेशन (आवास) के मानदंड कड़े किए हैं। नए लाए वन्यजीवों को एकबार चिड़ियाघर में स्थानांतरित करने के बाद इनके चिकित्सा की व्यवस्था वहीं होगी। झारखंड सरकार ने वन्य जीव संस्थान से इसके लिए पशु चिकित्सालय स्थापित करने में तकनीकी सहायता मांगी है। दुमका और गिरिडीह में सात के करीब बाघ रखने की योजना विभाग बना रहा है। इसके अलावा रणथंभौर से चीते लाने के लिए केंद्र सरकार के अधिकारियों से बात हुई है। विशेषज्ञों ने चिड़ियाघर में वन्यजीव के रहने के लिए प्राकृतिक आवास तैयार करने का निर्देश दिया है। मार्च में केंद्रीय वन्यजीव विशेषज्ञ ने दुमका और गिरिडीह के प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया है। यहां साल के वृक्ष लगाने और बड़े चट्टानों को स्थाना करने की सलाह विशेषज्ञ ने दी है।

लुधियाना के स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना के स्कूलों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। फिलहाल चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल जारी होने के बाद स्कूलों ने अभिभावकों के ग्रुप में जानकारी शेयर कर पुलिस प्रशासन को सूचित किया है। स्प्रिंग डेल स्कूल ने बच्चों की छुट्टी कर दी। फिलहाल स्कूल में पुलिस की ओर से चैकिंग चल रही है। इसके पहले 10 मार्च को लुधियाना के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, इस बात से हड़कंप मच गया था। सुबह करीब 7 बजे ई-मेल के जरिए सीबीएसई से संबंधित 3 स्कूलों को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें स्कूल परिसर में बम होने की बात कही गई थी।

जयपुर में बिजली के बॉक्स बनाने की फैक्ट्री में आग.... महिला मजदूर जिंदा जली

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री में फायर सेफ्टी उपकरण भी नहीं थे। हादसा सुदर्शनपुरा इलाके में हुआ। बिजली इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री जेएमडी एंटरप्राइजेज के बेसमेंट में भीषण आग लग गई थी। इस दौरान बेसमेंट में रखे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में ब्लास्ट भी हुआ, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। घटना के समय फैक्ट्री में 7 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे में गोमा देवी (47) निवासी यूपी की जलने से मौत हो गई। दो मजदूर अभिषेक (30) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी 22 गोदाम, मनोज मालाकर (42) निवासी बिहार हाल निवासी नंदपुरी गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को एसएमएस हॉस्पिटल की बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। यूनिट मालिक शशांक कटियार है। फैक्ट्री में जहां हादसा हुआ, वहां बिजली के उपकरण जैसे फैन बॉक्स, कंशिल्ड बॉक्स बनाए जाते थे। इसके लिए बेसमेंट में भट्टी जलाकर लोहे की चद्दर को काटकर कंशिल्ड और फैन बॉक्स का रूप दिया जा रहा था। भट्टी के साथ गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। बताया जा रहा है कि बेसमेंट में रखे पाउडर पोटिंग की भट्टी में लगे सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग लगी। वहीं बताया जा रहा है कि जब विस्फोट हुआ, उस दौरान कम्प्रेशर चालू था, जिससे आग भभक पड़ी। फैक्ट्री में 69 किलो एलपीजी गैस से भरे पांच सिलेंडर रखे थे। फायर फाइटर्स सबसे पहले सिलेंडरों को आग की लपटों से दूर लेकर गए।

अदालत को प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा

-सबरीमाला मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने क्यों किया 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मामले से जुड़े रेफरेंस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने अहम टिप्पणी कर 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' शब्द का इस्तेमाल किया। यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल अदालत में धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों से जुड़े तर्क रख रहे थे और विभिन्न स्रोतों से विचारों का हवाला दे रहे थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कौल ने दलील दी कि ज्ञान और विचार किसी भी माध्यम से आए हों, उन्हें पूरी तरह खारिज नहीं करना चाहिए। वे अखबार में प्रकाशित एक लेख और विभिन्न विचारकों के मतों का उल्लेख कर रहे थे, जिसमें धार्मिक मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि अदालत सभी विद्वानों और लेखकों का सम्मान करती है, लेकिन कोई भी लेख या व्यक्तिगत राय न्यायालय पर बाध्यकारी नहीं होती। तभी बहस के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने हल्के अंदाज में कहा, 'लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं,' उनकी इस टिप्पणी से संदेश दिया गया कि अदालत में केवल प्रमाणित, विश्वसनीय और कानूनी रूप से स्वीकार्य स्रोतों पर ही भरोसा किया जा सकता है, न कि अपुष्ट या सोशल मीडिया आधारित जानकारी पर।

मामले की पृष्ठभूमि में दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से दायर याचिका शामिल है, जिसमें धार्मिक बहिष्कार (एक्सकम्युनिकेशन) की प्रथा को चुनौती दी गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता कौल समुदाय की ओर से पेश हो रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 26(बी) के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्राप्त है और इसे हर स्थिति में अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत राज्य के सामाजिक सुधार कानूनों के अधीन नहीं माना जाना चाहिए। कौल ने तर्क दिया कि पहले के न्यायिक निर्णय, जैसे 'देवरू' फैसला, केवल मंदिर प्रवेश से जुड़े मामलों तक सीमित थे और उन्हें सभी धार्मिक अधिकारों पर लागू सामान्य सिद्धांत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने अनुच्छेद 25 और 26 के बीच संतुलित व्याख्या यानी 'हार्मोनियस कंस्ट्रक्शन' की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि जब राज्य अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाता है, तो धार्मिक अधिकारों को पूर्ण और सर्वोपरि नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन होते हैं, और इन्हीं आधारों पर सामाजिक सुधार संभव होता है। कौल ने इस तर्क

से सहमति जाहिर की। इसके साथ ही कौल ने 'संवैधानिक नैतिकता' की व्याख्या पर भी चिंता जताई और कहा कि इस अनावश्यक रूप से विस्तृत अर्थ देने से संवैधानिक प्रावधानों का दायरा बदल सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि गलत प्रथाओं को रोकने के लिए सार्वजनिक नैतिकता पर्याप्त आधार है।

जिनालय पर हमले की साजिश पर सख्त चेतावनीः जैन समाज एकजुट, कानून के तहत होगा कड़ा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा/सूरत विशेषः अभा हिन्दू जैन साधू संत रक्षा समिति के संयोजक अभय चोपड़ा ने जिनालय पर कथित हमले की साजिश को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जैन समाज किसी भी प्रकार की धमकी या दहशत से डरने वाला नहीं है और हर स्थिति में कानून के दायरे में रहकर मजबूती से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि 'जैन समाज शांति का प्रतीक है, लेकिन यदि आस्था पर हमला करने का प्रयास हुआ, तो समाज एकजुट होकर प्रशासन और कानून के माध्यम से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। चोपड़ा ने प्रशासन से मांग की कि ऐसे तत्वों की तुरंत पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि प्रदेश में शांति और सौहार्द बना रहे। सरकार पर भरोसा जताते हुए कहा गयाः भाजपा सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था मजबूत है और किसी भी धार्मिक स्थल पर हमले जैसी घटना की कल्पना भी अस्वीकार्य है। यदि कोई ऐसा प्रयास करता है, तो उसे कानून के तहत कड़ी सजा मिलेगी।

जैन समाज का संदेशःसमाज एकजुट है, किसी भी अफवाह या उकसावे में नहीं आएगा, पूरी तरह कानून और संविधान के दायरे में रहकर कार्य करेगा.

गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का भरोसा: मनसुख मांडविया का बड़ा बयान

'डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ा, सभी स्थानीय निकायों में भाजपा की जीत तय'

सूरत (एजेंसी)। स्थानीय निकाय चुनावों के बीच सूरत के उद्योगपतियों के साथ आयोजित एक अहम बैठक में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भाजपा की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि सूरत महानगरपालिका सहित पूरे गुजरात में होने वाले आगामी नगर पालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की मजबूत जीत होगी। मनसुख मांडविया ने कहा कि पिछले दो दिनों से वे सूरत में चुनाव प्रचार के दौरान लगातार लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान जनता का रुझान स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली ÷डबल इंजन सरकार÷ के प्रति गहरा विश्वास है, क्योंकि यह सरकार जनकल्याण और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सूरत के युवाओं में स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप की नई लहर देखने को मिल रही है। कई युवा नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये युवा सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठाकर अपने छोटे-बड़े उद्यम खड़े कर रहे हैं। यह गुजरात के विकास मॉडल की सफलता को दर्शाता है।

मांडविया ने आगे कहा कि सरकार ने आम जनता पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कटौती जैसे कदम उठाए हैं। इससे लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सूरत नगर निगम क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात में भाजपा के प्रति जनता का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। उनके अनुसार, उद्योग जगत, व्यापारी वर्ग और युवा सभी वर्गों में सरकार की नीतियों को लेकर सकारात्मक माहौल है। बैठक में उद्योगपतियों ने भी सरकार की नीतियों और विकास कार्यों पर चर्चा की। मंडाविया ने कहा कि सरकार और जनता के बीच बढ़ता भरोसा ही भाजपा की जीत की सबसे बड़ी ताकत है। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी स्थानीय स्वराज्य चुनावों में भाजपा सभी नगर पालिकाओं, तालुका पंचायतों और जिला पंचायतों में ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी।

सीईओ जिला पंचायत ने विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने विभिन्न विभागों एवं योजनाओं से संबंधित निष्क्रीय एवं बंद खातों की जानकारी ली और बचत राशि को शासन को भेजने कहा। उन्होंने हर घर सोख्ता अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर क्रियान्वयन करने कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित नवीन आवासों में अनिवार्य रूप से सोख्ता गड्ढ़ा का निर्माण कराने तथा ग्रामीणों को जागरूक करने कहा। सीईओ जिला पंचायत ने इन्जेक्शन वेल, वाटर रिचार्ज शॉप, रैन वाटर हार्वेस्टिंग, सोख्ता फिल्डर की साफ-सफाई कार्य को समय-समय पर अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मनरेगा अन्तर्गत निर्माणाधीन कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराने कहा। उन्होंने योजना के तहत आवास निर्माण पूर्ण हो चुके आवासों का तत्काल सीसी लगाने के लिए निर्देशित किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने 1 मई से 31 मई तक चलने वाले सुशासन तिहार समाधान शिविर की सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्रत्येक शनिवार को ग्रामों में स्वच्छता त्यौहार मनाने तथा कचरा संग्रहण की निरंतरता बनाने कहा। स्वच्छताग्राहियों का प्रोत्साहन राशि नियमित रूप से प्रदाय करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में बताया गया कि मोर गांव मोर पानी योजना अन्तर्गत प्रत्येक जनपद को 4 तालाब निर्माण के कार्य को चिन्हांकित करने का लक्ष्य दिया गया है। इस कार्य हेतु सीएलएफ को आजीविका गतिविधि से जोड़ते हुए मछली पालन, सिंघाड़ा उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रेरित करने कहा। बैठक में एसबीएम, एनआरएलएम, पंचायत सेक्टर, समर्थ पोर्टल, क्यूआर कोड, हरघर जल योजना सहित अन्य योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, जनपद पंचायत में पदस्थ मनरेगा, एसबीएम, एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के पीओ एवं ब्लाक समन्वयक, विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधक एवं जिले के सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी शामिल हुए।

पीएम मोदी के बॉस कहने पर नितिन नवीन की प्रतिक्रिया... यह बात पार्टी की संस्कृति को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें 'बॉस' कहने पर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बात उनकी पार्टी की संस्कृति को दिखाती है। एक विशेष इंटरव्यू में नितिन नवीन से जब पीएम मोदी की इस टिप्पणी के बारे में पूछा गया तब उन्होंने बेबाकी से जवाब देकर कहा कि यही हमारी पार्टी की खूबसूरती है। उन्होंने कहा कि इसतरह के संबोधन आपसी सम्मान और संगठनात्मक भाईचारे से आते हैं, न कि सख्त सत्ता संरचना से आते है।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नितिन नवीन को बधाई देकर उनके लिए 'बॉस' शब्द का इस्तेमाल किया था। यह इशारा पार्टी की अनुशासित संरचना के बीच अनौपचारिक और प्रतीकात्मक भाव के रूप में देखा गया। पीएम मोदी ने कहा था कि मैं एक कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन अब मेरे बॉस हैं। मैं नवीन को भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं, जो दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। मैं सभी पूर्व अध्यक्षों का भी पार्टी को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं।

बात दें कि वरिष्ठ बीजेपी नेता नितिन नवीन को जनवरी में पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। 45 वर्षीय नवीन की नियुक्ति को पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और पीढ़ीगत बदलाव की दिशा में संकेत के रूप में देखा गया, खासकर इस साल होने वाले महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले, 45 साल की उम्र में नितिन नवीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं और वे पार्टी के 12वें अध्यक्ष हैं। नवीन का संबंध राजनीतिक परिवार से है। वे बिहार के वरिष्ठ बीजेपी नेता और चार बार विधायक रहे नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं। 2006 में पिता के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और पटना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव जीतकर विधायक बने। समय के साथ उन्होंने पार्टी के भीतर अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत की। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में वे सड़क निर्माण और शहरी विकास जैसे अहम विभागों के मंत्री भी रहे, हालांकि बाद में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी

एनएचआरसी का ने उठाया बड़ा कदम, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। निजी स्कूलों में महंगी किताबों के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। प्राइवेट स्कूलों में पेरेंट्स पर महंगी किताबों को खरीदने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और कई जगहों पर अभिभावक इसका विरोध भी जता रहे हैं, हालांकि अब इस मसले पर एनएचआरसी ने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निजी स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई नमो फाउंडेशन की शिकायत के आधार पर हुई है, जिसमें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों पर दबाव डालने का आरोप है।

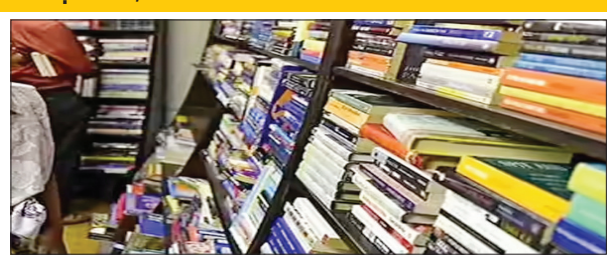

आयोग ने राज्यों को राष्ट्रीय स्कूल बैग नीति और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पालन पर रिपोर्ट देने को कहा है, साथ ही एससीईआरटी और एनसीईआरटी की किताबों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने साफ कहा है कि सरकारी और निजी स्कूलों में अलग-अलग किताबें लागू करना 'अकादमिक भेदभाव' हो सकता है। अब इस मामले में शिक्षा मंत्रालय के जवाब का इंतजार है।

बता दें स्कूलों में महंगी किताबों को लेकर हरियाणा का अभिभावक एकता मंच भी पिछले कई सालों से आवाज उठा रहा है और इसका विरोध कर रहा है। मंच की मानें तो स्कूलों में छोटी-छोटी कक्षाओं में 4-4 हजार रुपए के किताबों के सेट लगाए हुए हैं। स्कूल हर साल पाठ्यक्रम की किताबों में कुछ न कुछ हल्का फेरबदल भी कर देते हैं ताकि पेरेंट्स पुरानी किताबों का इस्तेमाल न कर सकें और उन्हें नई किताबें ही खरीदनी पड़ें। इससे पेरेंट्स के ऊपर हर साल बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

तमिलनाडु चुनाव: अब सीधा मुक़ाबला नहीं यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन गया

-एक्टर विजय की एंट्री ने दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल दी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक युगांतरकारी मोड़ के रूप में दर्ज होने जा रहा है। यह चुनाव केवल सत्ता के परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पांच दशक पुराने राजनीतिक ढांचे के ढहने का संकेत है जिसमें केवल दो द्रविड़ दिग्गजों डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी टीवीके के प्रवेश ने एक स्थिर दो-ध्रुवीय व्यवस्था को एक अस्थिर और रोमांचक त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। पिछले 50 से ज्यादा सालों से तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ियन विचारधारा, सामाजिक न्याय और लोक-कल्याणकारी नीतियों की धुरी पर घूमती रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक शक्ति का लोहा मनवाया। प्रशासनिक स्थिरता और द्रविड़ मॉडल के नैरेटिव ने उन्हें अल्पसंख्यकों और शहरी मध्यम वर्ग के बीच मजबूत बनाए रखा है। जय जयललिता के निधन के बाद भी एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके ने अपना वोट बैंक काफी हद तक बचाए रखा है। विपक्ष के रूप में यह पार्टी सत्ता-विरोधी लहर को भुनाने की कोशिश करती रही है।

अब तक छोटी पार्टियां या तो इन दो दिग्गजों के साथ गठबंधन में समा जाती थीं या हाशिए पर रहती थीं, लेकिन विजय ने इस परिपाटी को चुनौती दी है। राजनीति में विजय के कदम रखने से, अब यह दशकों पुरानी दो-ध्रुवीय राजनीति पूरी तरह बदल गई है। तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, विजय ने अपनी ज़बरदस्त लोकप्रियता को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया है, जिसका मकसद इन दोनों ही द्रविड़ियन पार्टियों को चुनौती देना है। टीवीके ने भ्रष्टाचार-विरोध, शासन-सुधार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को आधार बनाकर, बहुत तेज़ी से युवाओं के बीच अपना समर्थन-आधार तैयार किया है, साथ ही, पार्टी ने ज़मीनी स्तर पर अपने विस्तार पर भी काफी ज़ोर दिया है, जिसमें बूथ-स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना भी शामिल है।

सबसे अहम बात यह है कि टीवीके की रणनीति विजय की निजी लोकप्रियता से कहीं आगे तक जाती है। पार्टी ने इस चुनाव को एक पीढ़ीगत बदलाव के तौर पर पेश किया है, जिसमें युवाओं को नौकरी, इंटर्नशिप और आर्थिक मदद का वादा करके उन्हें लुभाने की कोशिश की गई है। यह तरीका ऐसे राज्य में बहुत मायने रखता है, जहां युवाओं की आबादी बहुत ज़्यादा है करीब 12.5 लाख पहली बार वोट देने वाले और 40 साल से कम उम्र के करीब 2.5 करोड़ वोटर हैं। विजय ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए भी ज़ोरदार कोशिश की है। ये वोटर कुल वोटरों का करीब 51 फ़ीसदी हिस्सा हैं। टीवीके ने कई चुनावी वादे किए हैं। ये वादे एक रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं, खासकर तब जब पार्टी के अंदर पहले डीएमके सरकार की महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की मदद जैसी कल्याणकारी योजनाओं की आलोचना की गई थी।

टीवीके के ज़्यादातर अकेले चुनाव लड़ने के फ़ैसले ने समीकरणों को उलझा दिया है, जिससे डीएमके और एआईएडीएमके दोनों को ही अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करने पर मजबूर होना पड़ा है। एआईएडीएमके ने इस चुनाव को डीएमके के साथ सीधी लड़ाई के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, ताकि सत्ता-विरोधी वोटों का बंटवारा न हो, वहीं, डीएमके युवाओं के वोट छिटकने के जोखिम के बावजूद अपने मुख्य वोट बैंक को बचाए रखने के लिए अपने शासन के कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण पर ही ज़्यादा ज़ोर दे रही है। ज़मीनी स्तर पर, इस चुनाव का तीन-तरफ़ा स्वरूप दक्षिणी ज़िलों जैसे कन्याकुमारी, थूथुकुड़ी और तिरुनेलवेली में और साथ ही चेन्नई जैसे शहरी केंद्रों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इन जगहों पर टीवीके की मौजूदगी ने वोट देने के पारंपरिक तरीकों और जीत-हार के अंतर को बदल दिया है।

तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव अब कोई सीधा-सादा मुक़ाबला नहीं रह गया है, बल्कि यह एक त्रिकोणीय लड़ाई बन चुका है। डीएमके, एआईएडीएमके और टीवीके के बीच चल रही इस त्रिकोणीय जंग

में, भले ही यह नई पार्टी सीधे तौर पर विजेता बनकर न उभरे, लेकिन चुनाव परिणामों को तय करने में इसकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां 40 फीसदी मतदाता अभी भी इस चुनाव को डीएमके बनाम एआईएडीएमके की पारंपरिक जंग मानते हैं, वहीं 20 फीसदी लोग विजय को एक वास्तविक और मजबूत विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। भले ही विजय सीधे तौर पर सत्ता तक न पहुंचें, लेकिन उनकी पार्टी किंगमेकर बनकर उभरेगी और भविष्य के गठबंधनों की दिशा तय करेगी।

एमपीसी की बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित रही

ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और अल नीनो का जोखिम प्रमुख चिंताएं बनीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अप्रैल बैठक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित रही। समिति ने सर्वसम्मति से नीतिगत रीपो दर को अपरिवर्तित रखने और अनिश्चितता के बीच तटस्थ नीतिगत रुख बनाए रखने पर सहमति जताई। एमपीसी सदस्यों ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित चुनौतियों, विशेषकर चालू खाते के घाटे (केड) में वृद्धि और मुद्रास्फीति दबावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। एमपीसी सदस्यों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कई चुनौतियों की ओर इशारा किया, जिनमें निर्यात पर प्रभाव, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में बाधा, ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, धन प्रेषण में कमी तथा वैश्विक मांग का कमजोर पड़ना शामिल हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्वीकार किया कि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान वृद्धि के लिए नकारात्मक और मुद्रास्फीति के लिए सकारात्मक जोखिम पैदा करते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है और इन झटकों को सहन करने में सक्षम है। अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के मद्देनजर, उन्होंने निर्णायक कदम उठाने से पहले प्रतीक्षा और निगरानी के विवेकपूर्ण दृष्टिकोण का समर्थन किया। प्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने भविष्य की नीतिगत कार्रवाई को डेटा-आधारित रखने और अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताओं का समर्थन करने पर जोर दिया। आंतरिक सदस्य इंद्रनील भट्टाचार्य ने आपूर्ति-जनित मुद्रास्फीति को कम करने में मौद्रिक नीति की सीमित क्षमता पर प्रकाश डाला, जबकि बाहरी सदस्य राम सिंह ने चेतावनी दी कि संघर्ष भारत के गोल्डीलॉक्स स्थिति (कम मुद्रास्फीति और उच्च वृद्धि) को उलट सकता है। एक अन्य बाहरी सदस्य सौगत भट्टाचार्य ने अल नीनो की संभावित शुरुआत और बढ़ती मुद्रास्फीति अपेक्षाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता अभी भी अधिक है, जिससे भारत का भुगतान संतुलन और व्यापार प्रभावित होने की संभावना है।

मदर डेरी का 27 तक 24,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

डेरी ब्रांड मदर डेरी ने वित्त वर्ष 27 तक अपने राजस्व को 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जो 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। कंपनी अपनी देशव्यापी उपस्थिति को मजबूत करने और गर्मी के सीजन का लाभ उठाने की योजना बना रही है। मदर डेरी के एक अ धिकारी के अनुसार कंपनी दिल्ली से बाहर अपनी मौजूदा 37 फीसदीस्सेदारी को बढ़ाकर 43-45 फीसदी करना चाहती है, जिसमें बिहार और आंध्र प्रदेश जैसे नए क्षेत्र शामिल होंगे। वित्त वर्ष 26 में 20,300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने वाली मदर डेरी, अब अपनी दूध उत्पादन क्षमता को प्रतिदिन 60 लाख लीटर से बढ़ाकर 70 लाख लीटर करेगी। इसके लिए बिहार में दो और उत्तराखंड में एक नया संयंत्र तीन महीने में चालू होगा। उत्तर प्रदेश में तीन संयंत्रों का अधिग्रहण भी किया गया है, जिससे विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 852 , निफ्टी 205 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अमेरिक और ईरान के बीच तनाव को देखते हुए दुनिया कर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी नाकाबंदी से भी कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 852.49 अंक फिसलकर 77,664 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 205.05 अंक नीचे आकर 24,173.05 पर पहुंच गया।आज सेंसेक्स 77,574.18 के सबसे निचले स्तर पर वहीं निफ्टी 243 अंक गिरकर 24,134.80 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। इस प्रकार केवल दो सत्रों में सेंसेक्स करीब 1,600 अंक तक गिर गया है। आज सत्र के दौरान, व्यापक बाजार सूचकांक गिरे हैं। वहीं पिछले सत्र में बाजार में गिरावट के बावजूद व्यापक सूचकांक लाभ पर बंद हुए थे। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में जहां 0.67 फीसदी की गिरावट रही। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.41 फीसदी की गिरावट आई।

क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी ऑटो में 2.35 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2.19 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.83 फीसदी, और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.38 फीसदी रही।आज निफ्टी के सिप्ला, अदाणी इंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल, अदाणी पोर्ट्स, ओनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। दूसरी ओर , श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, एसबीआई लाइफ, टीएमपीवी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।होर्मुज जलडमरूमध्य की जारी नाकाबंदी के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 604.76 अंक की गिरावट के साथ 77,911.73 पर खुला।

34 किस्म की कारों पर 50 हजार से लेकर 3.5 लाख तक छूट

-आगे और भी छूट की संभावना

ऑटो सेक्टर में महंगाई की मार

मुंबई।

ऑटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियां बड़ी छूट दे रही हैं। देश की तीन प्रमुख कार कंपनियों ने करीब 34 मॉडल्स पर 50 हजार रुपये से लेकर 3.5 लाख रुपये तक का डिस्काउंट घोषित किया है। इसमें एसयूवी, हैचबैक और सेडान सभी सेगमेंट शामिल हैं। बढ़ती महंगाई, ऊंची ब्याज दरें और मांग में कमी के कारण बिक्री प्रभावित हुई है, जिसके चलते कंपनियां ऑफर के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं। डीलर्स के अनुसार आने वाले समय में और ज्यादा छूट मिलने की संभावना है, खासकर पुराने स्टॉक को क्लियर करने के लिए। इससे

ग्राहकों को सस्ती कीमत पर गाड़ी खरीदने का अच्छा मौका मिल रहा है।

भारतीय बंदरगाह वैश्विक लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब बनने को तैयार

2047 तक शीर्ष 5 शिपबिल्डिंग देशों में शामिल होने का लक्ष्य

नई दिल्ली । केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव विजय कुमार ने घोषणा की है कि भारत के बंदरगाह अब केवल कार्गो आवाजाही के केंद्र नहीं, बल्कि एकीकृत लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक हब के रूप में तेज़ी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने सिंगापुर में वैश्विक निवेशकों को संबोधित करते हुए भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का अभिन्न अंग बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। सचिव कुमार ने बताया कि 2013-14 से बंदरगाहों की कार्गो हैंडलिंग क्षमता दोगुनी होकर 2,771 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है। सरकार ने 2030 तक इसे 3,500 एमटीपीए और 2047 तक 10,000 एमटीपीए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रमुख बंदरगाहों ने 915 मिलियन टन का रिकॉर्ड कार्गो संभाला। भारत 2047 तक दुनिया के शीर्ष 5 जहाज निर्माण देशों में शामिल होने की तैयारी में है। अगले 15 वर्षों में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये की लागत से 437 जहाजों की मांग पूरी करने की योजना है, जिसके लिए 34 जहाजों के टेंडर पहले ही जारी हो चुके हैं। सीएमए सीजीएम और रेड्रीएट स्टेनरसन जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के भारतीय शिपयार्ड को दिए गए बड़े ऑर्डर वैश्विक विश्वास को दर्शाते हैं। सतत विकास पर जोर देते हुए, भारत का समुद्री क्षेत्र ग्रीन पोर्ट, ग्रीन फ्यूल और ग्रीन वेसल्स पर केंद्रित है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों को ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। बैठक के दौरान हुए सात महत्वपूर्ण बिजनेस-टू-बिजनेस समझौते भारत के समुद्री क्षेत्र में बढ़ते वैश्विक भरोसे और निवेश की संभावनाओं का संकेत हैं।

रियल एस्टेट में रिकॉर्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डॉलर निवेश

72 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 2026 की पहली तिमाही में ऐतिहासिक उछाल

नई दिल्ली।

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 5.1 अरब डॉलर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डॉलर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है। रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डॉलर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय,

वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अ धिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अ धिकारी ने गुणवत्तापूर्ण ऑफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

सरकार ने सिलेंडर जमाखोरी पर बढ़ाई सख्ती

सरकारी नियम के तहत कट सकता है कनेक्शन और लग सकता है भारी जुर्माना!

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है, जिसका सीधा असर घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता पर दिख रहा है। सप्लाई धीमी होने और मांग बढ़ने के कारण कई उपभोक्ता घरों में अतिरिक्त सिलेंडर जमा करने लगे हैं।

इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने अब एलपीजी सिलेंडर के स्टॉक पर सख्ती बढ़ा दी है। सरकार की जमाखोरी पर नजर आपूर्ति में कमी और संभावित जमाखोरी को देखते हुए, सरकार ने अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर के स्टॉक संबंधी नियमों को कड़ा कर दिया है। नियमों के मुताबिक, एक घरेलू उपभोक्ता एक निश्चित संख्या में ही सिलेंडर रख सकता है। तय सीमा से अधिक सिलेंडर पाए जाने पर इसे नियम का उल्लंघन माना जाएगा। सामान्य घरेलू एलपीजी कनेक्शन पर उपभोक्ताओं को आमतौर पर दो सिलेंडर रखने की अनुमति होती है, एक उपयोग में और दूसरा बैकअप के लिए।

इससे अधिक सिलेंडर रखना नियमों का उल्लंघन है,

हालांकि, विशेष परिस्थितियों में संबंधित विभाग से अनुमति लेकर अतिरिक्त सिलेंडर रखे जा सकते

हैं। नियम तोड़ने पर गंभीर परिणाम नियमों का उल्लंघन करने पर उपभोक्ता का कनेक्शन रद्द किया जा सकता है और सिलेंडर जब्त किए जा सकते हैं। स्थिति की गंभीरता के अनुसार जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जमाखोरी या गलत इस्तेमाल के मामलों में पुलिस कार्रवाई, भारी जुर्माना और यहां तक कि जेल की सजा भी हो सकती है।

एलपीजी के अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण सुरक्षा और कालाबाजारी रोकने के लिए भी इन सख्त नियमों का पालन अनिवार्य है।

मारुति सुजुकी ने 2025-26 में रिकॉर्ड उत्पादन किया दर्ज

नई दिल्ली ।

मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 में 23.4 लाख इकाई का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि वाहन विनिर्माता संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार वह 23.4 लाख इकाई का उत्पादन करने वाली भारत की एकमात्र यात्री वाहन विनिर्माता है। मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि वह सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की वैश्विक मोटर वाहन विनिर्माण इकाइयों में इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने वाली एकमात्र कंपनी भी बन गई है।

आपदाएं अब आर्थिक चुनौती, लचीलापन उत्पादकता बढ़ाने वाला निवेश अनुराधा डाकुर

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने चेतावनी दी है कि आपदाएं अब केवल पर्यावरणीय चिंताएं नहीं, बल्कि वित्त मंत्रालयों के लिए गंभीर आर्थिक और विकासात्मक चुनौती बन गई हैं। सेंटर फॉर डिजास्टर रेजिलेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) सम्मेलन में उन्होंने यह बात कही। अनुराधा ठाकुर ने स्पष्ट किया कि क्षतिग्रस्त सड़कें, बाधित बिजली प्रणालियां और बाढ़ग्रस्त शहरी नेटवर्क सीधे तौर पर आर्थिक विकास में कमी, सार्वजनिक बजट पर दबाव और आजीविका में बाधा डालते हैं। उन्होंने कहा कि आपदाएं अब चिंताओं से बढ़कर मुख्य नीतिगत अनिवार्यताएं हैं, खासकर जब पिछले पांच दशकों में वैश्विक घटनाओं में लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है।

सचिव ने जोर दिया कि लचीलापन आर्थिक रूप से समझदारी भरा है, क्योंकि शुरुआती सुदृढ़ीकरण से

दीर्घकालिक लागत घटती है और व्यवधान टलते हैं। यह सिर्फ सुरक्षा उपाय नहीं, बल्कि उत्पादकता बढ़ाने वाला निवेश है। उन्होंने राष्ट्रीय बजट की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु सार्वजनिक वित्त में सक्रिय आपदा जोखिम वित्त ढांचों को शामिल करने का भी आह्वान किया।

चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल में 28 रुपए तक उछाल संभव

कच्चे तेल की कीमतों में आग से भारतीय रिफाइनरियों को 27,000 करोड़ मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिसका असर अब भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिफाइनरियां मासिक 27,000 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही हैं। यह भारी घाटा संकेत देता है कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 25 से 28 रुपये प्रति लीटर तक की बड़ी वृद्धि संभव है। वर्तमान में ईंधन की कीमतें चुनावी सीजन के कारण स्थिर हैं, लेकिन कच्चे तेल की वैश्विक लागत और खुदरा मूल्य के बीच का अंतर असहनीय हो गया है। मध्य पूर्व में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक घेराबंदी जैसी वैश्विक स्थितियों के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित है, जिससे भारत का कच्चे तेल का आयात बिल प्रतिदिन 190-210 मिलियन डॉलर बढ़ रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि यह बढ़ोतरी एक साथ न होकर, आम जनता को महंगाई के झटके से बचाने के लिए स्टैगर्ड अप्रोच के तहत किस्तों में की जाएगी। सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती और निर्यात पर विंडफॉल टैक्स जैसे आंशिक उपाय किए हैं, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं हैं, और रिफाइनरियों को लंबे समय तक यह घाटा उठाना मुश्किल है।

टेस्ला का भारत में बिक्री से पहले बुनियादी ढांचा मजबूत करने पर जोर

फास्ट चार्जिंग, घरेलू समाधान और बेहतर सेवा पर प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

टेस्ला भारत में अपनी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री बढ़ाने से पहले एक मजबूत और व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क, घरेलू चार्जिंग समाधान और बेहतर सेवा क्षमताएं शामिल हैं, ताकि देश में ईवी अपनाने की राह में आने वाली ढांचागत बाधाओं को दूर किया जा सके। कंपनी का मानना है

कि भारतीय बाजार अभी इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के शुरुआती चरण में है, जहां उपभोक्ताओं में रेंज एंजाइटी (बैटरी खत्म होने की चिंता) और सर्विस सपोर्ट एक बड़ी चुनौती है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026 में भारत के यात्री वाहन बाजार में ईवी की हिस्सेदारी मात्र 4.2 फीसदी रही, जो इस सेगमेंट के शुरुआती दौर में होने का संकेत है। इसी अवधि में टेस्ला ने केवल 342 यूनिट्स बेचीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी का जोर तत्काल बिक्री बढ़ाने पर नहीं है। फिलहाल, टाटा मोटर्स (78,000 से अधिक यूनिट्स) जैसे पारंपरिक निर्माता इलेक्ट्रिक यात्री वाहन खंड में हावी हैं, जो किफायती ईवी की मजबूत मांग को दर्शाता है। हालांकि टेस्ला का मानना है कि भारत में ईवी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाना सबसे अहम है। इसी रणनीति के तहत कंपनी ने 61,99,000 रुपये की कीमत पर टेस्ला मॉडल वाई को लॉन्च किया है, जिसका लक्ष्य देश में तेजी से बढ़ते प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करना है। कंपनी का ध्यान एक ऐसा सशक्त अनुभव बनाने पर है जो बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करे और ग्राहकों को पूरी सुविधा प्रदान कर सके।

ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर के बावजूद स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने दो टैंकरों को अपने कब्जे में ले लिया, जिससे वैश्विक तेल बाजार में हड़कंप मच गया और ब्रेंट क्रूड की कीमतें 102 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं। इस रणनीतिक मार्ग के लगभग बंद होने से फारस की खाड़ी के प्रमुख उत्पादकों के निर्यात में भारी गिरावट आई है, जिससे वैश्विक आपूर्ति का डर बढ़ गया है। अमेरिकी नाकेबंदी को ईरान ने सीजफायर का उल्लंघन बताया है। ईरान के विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि जब तक यह उल्लंघन जारी रहेगा, बातचीत संभव नहीं है। इनसे सीजफायर टूटने और युद्ध के दोबारा छिड़ने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि शांति वार्ता की संभावना क्षीण है। एलएसईजी डेटा के अनुसार, पहले के 100 से अधिक जहाजों के मुकाबले अब केवल 8 जहाज ही यहां से गुजर रहे हैं, जो व्यापारिक ठहराव दर्शाता है। पूर्व में वैश्विक कच्चे तेल की लगभग 20 फीसदी आपूर्ति हॉर्मुज से होती थी। मौजूदा व्यवधान से आपूर्ति सामान्य होने

और तेल के रिफाइन होने में महीनों लग सकते हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
24 अप्रैल 2026

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन क्ककी कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन क्क2, क्क6 और क्क12 की कमी से त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है। तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

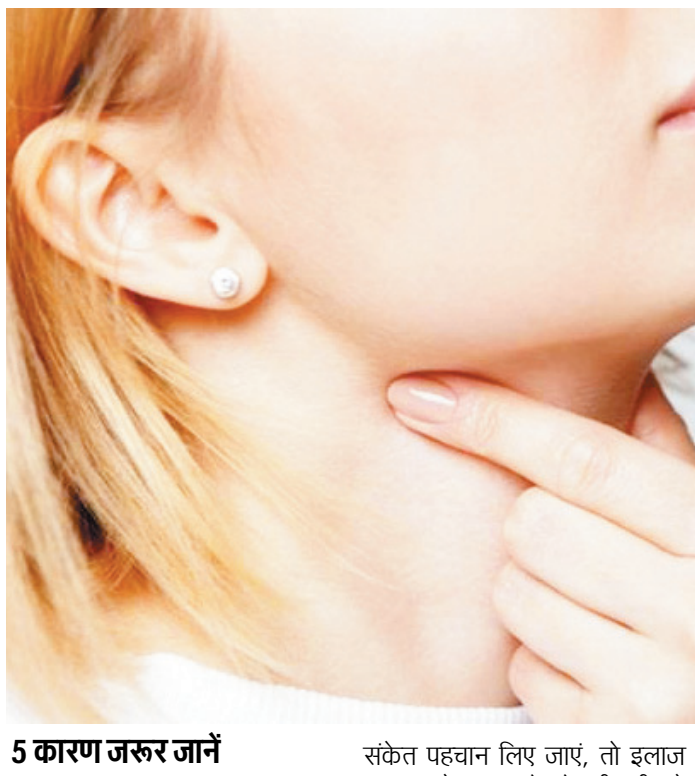

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक- सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और टाइटंस का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटन्स से होगा। आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपने कदम बढ़ाना रहेगा। आरसीबी ने अब तक 6 मे से 4 मैच जीते हैं जिससे उसके 8 अंक हैं और टीम अंकतालिका में तीसरे नंबर पर है। इस सत्र में उसने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को आसानी से हराया, राजस्थान रॉयल्स से उसे हार मिली। इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स से वह जीती पर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार गयी। आरसीबी के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी हैं। टीम की कप्तानी राजत पाटीदार कर रहे हैं। गेंदबाजी भी टीम की अच्छी है। उसके पास भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज है। वहीं दूसरी ओर गुजरात का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उसने 6 में से 3 मैच जीते हैं, इससे उसके 6 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। उसे शुरुआत में पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा जबकि दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स व कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे जीत मिली पर मुंबई इंडियंस से हार मिली। टीम के पास कप्तानी शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बल्लेबाज है। वहीं टीम के पास कई अच्छे गेंदबाज हैं जिनमें कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा हैं। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से दोनो ने ही 3-3 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी- रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी और सुयश शर्मा।

गुजरात टाइटन्स- शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे।

वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

वोल्वार्ट की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीका ने भारत को नौ विकेट से रौंद श्रृंखला में बनाई अजेय बढ़त

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। कप्तान लौरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ उनकी 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के बूते दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की महिला टी20 श्रृंखला के तीसरे मुकाबले को 21 गेंद शेष रहते नौ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड ने क्रमशः 2023 और 2018 में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ 212 और 198 रन के लक्ष्य हासिल किए थे।

इस श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही वोल्वार्ट ने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान को चौथे ओवर में 31 रन के निजी स्कोर पर स्मृति मंधाना ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया। वोल्वार्ट को 85 रन के स्कोर पर दूसरा जीवनदान हरमनप्रीत ने कैच छोड़कर दिया। उन्होंने इन जीवनदानों का फायदा उठाते हुए अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के जड़े और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह वोल्वार्ट का तीसरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17 शतकों के साथ भारत की स्मृति मंधाना और ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की बराबरी कर ली। लुस ने भी छह चौकों और दो छक्कों की मदद से उनका अच्छा साथ दिया।

भारत के लिए श्रेयंका पाटिल ने वोल्वार्ट को आउट कर एकमात्र सफलता हासिल की लेकिन अन्य सभी गेंदबाजों ने काफी रन लुटाये। श्रृंखला में 0-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण था और बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेफाली वर्मा ने आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा, जबकि हरमनप्रीत ने 38 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन की तेज पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वोल्वार्ट ने पहली ही गेंद पर रेणुका सिंह के खिलाफ चौका जड़कर अपने तेवर दिखाए। उन्होंने दूसरे ओवर में काश्वी गौतम के खिलाफ तीन चौके लगाए। आक्रामक रवैये के साथ उन्होंने तीसरे ओवर में रेणुका के खिलाफ पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर पांचवें ओवर में लगातार गेंदों पर एक छक्का और दो चौके जड़कर 18 रन बटोरे। उन्होंने अरुंधति रेड्डी के खिलाफ चौके के साथ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह इस प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका की महिला खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 72 रन बना लिए। अब तक एक छोर से संभलकर खेल रहीं लुस ने श्रेयंका पाटिल के खिलाफ छक्का और शेफाली वर्मा के खिलाफ चौका लगाकर रनगति को बरकरार रखा। टीम ने नौवें ओवर में ही 100 रन पूरे कर लिए। वोल्वार्ट ने 12वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ अपनी पारी का तीसरा छक्का जड़ा, जबकि लुस ने श्रेयंका के खिलाफ दो चौकों के साथ दबदबा बनाए रखा। वोल्वार्ट ने 14वें ओवर में दीप्ति के खिलाफ शुरुआती दो गेंदों पर छक्का और चौका लगाने के बाद पांचवीं गेंद पर चौके के साथ 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी ओवर में लुस ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वोल्वार्ट शतक पूरा करने के बाद श्रेयंका की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुईं, लेकिन तब तक टीम की जीत लगभग तय हो चुकी थी। इससे पहले शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई।

पूरन का विकेट लेते ही जडेजा ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

लखनऊ । रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 40 रनों से हरा दिया। इस मैच में जडेजा ने 29 गेंदों पर 43 रन बनाने के बाद गेंदबी के दौरान निकोलस पूरन का महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। पूरन को आउट करने के बाद जडेजा का जश्न मनाने का अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पूरन लखनऊ के सबसे अच्छे बल्लेबाज में से एक हैं। ऐसे में उनके आउट होते ही सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी ढह गयी। पूरन को आउट करने के बाद जडेजा ने जेब में हाथ डालकर ये दिखाने का प्रयास किस कि मैच में अब उनको ही जीत मिलेगी। इसका कारण है कि पूरन क्रीज पर जमने लगे थे पर उनके आउट होते ही राजस्थान की जीत पक्की हो गई। पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम असफल रहा। इसी कारण टीम 20 ओवर के खेल में 159 रन ही बना पाई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 120 रन ही बना पायी। सिर्फ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। आयुष बडोनी, कप्तान ऋषभ पंत और एडेन मार्करम शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। केवल मिचेल मार्श ने ही 55 रन बनाये।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है। वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं। उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है। उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे। उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है। इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए। मेरा भी यही लक्ष्य है।' अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है। कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 101 रन की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है!

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विशेष दूत पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके।

जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है।

वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है। इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता।इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे ये साबित होता है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं। पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की। पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज़ किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है। उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया। वह शतक बनाना आसान बना देते हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है।

'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था', लखनऊ के खिलाफ मैच जिताऊ पारी पर बोले जडेजा

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)(एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा जबकि राजस्थान रॉयल्स 40 रनों की जीत के साथ फिर से जीत की राह पर लौट आई। राजस्थान के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी बैटिंग के तरीके, लखनऊ की पिच पर धीमी बॉलिंग करने और अपने पूरे ओवर क्यों नहीं फेंके इस सब पर बात की।

रवींद्र जडेजा ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया जिसमें 29 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाए और एक अहम विकेट लिया। वहीं जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की तेज गेंदबाजी की जोड़ी की अगुवाई में अनुशासित बॉलिंग प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को रूख के खिलाफ 40 रनों की जीत के साथ अपनी लगातार दो हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की। अपनी बैटिंग के बारे में बात करते हुए जडेजा ने कहा, 'जब मैं बैटिंग कर रहा था, तो यह इतना आसान नहीं था। LSG के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं, जो तेज गति और सही जगहों पर बॉलिंग कर रहे थे। यह लाल मिट्टी वाली पिच थी, इसलिए इसमें उछाल था, और गेंद में सीम भी मिल रही थी।'

जडेजा ने कहा, 'हमारे विकेट लगातार गिर रहे थे और हम कोई साझेदारी नहीं बना पा रहे थे। इसलिए डोनोवन और मैंने पारी को आखिर तक ले जाने के बारे में बात की। लेकिन टी20 क्रिकेट में एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए आपको बीच-बीच में जोखिम उठाते रहना पड़ता है। बदकिस्मती से, वह गलत समय पर आउट हो गए। मैं बस ओवरों का हिसाब लगा रहा था और मुझे पता था कि आखिरी ओवर शायद मयंक यादव फेंकेंगे।'

उन्होंने कहा, 'मैं बस उनकी गति का फायदा उठाना चाहता था, क्योंकि लेग-साइड की बाउंड्री छोटी थी और मिड-ऑफ और मिड-ऑन दोनों ही ऊपर थे। उनकी तीन गेंदें शॉर्ट थीं, और उन्होंने एक फुल गेंद फेंककर मुझे चकमा देने की कोशिश की, लेकिन किस्मत से, मैं उस पर भी चौका लगाने में कामयाब रहा। हमें वे 20 रन मिल गए, और एक टीम के तौर पर, जब आपके गेंदबाजों के पास बचाव के लिए कुछ अतिरिक्त रन होते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है।'

पहले बैटिंग करने के लिए कहे जाने पर क्रू ने जडेजा की 29 गेंदों में खेली गई 43 रनों की जुझारू पारी और शुभम दुबे की 19 रनों की तेज पारी की बदौलत 159/6 का स्कोर बनाया। एक छोटे स्कोर का बचाव करते हुए RR ने मेजबान टीम को 18 ओवर के अंदर 119 रनों पर ऑल आउट कर दिया और मैच 40 रनों से जीत लिया। जडेजा ने निकोलस पूरन का अहम विकेट भी लिया।

लखनऊ की उस पिच पर धीमी गेंदबाजी करने के बारे में इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जब मैं दिग्विजय राठी के खिलाफ बैटिंग कर रहा था, तो उनकी कुछ गेंदें पिच पर रुककर आ रही थीं। इसलिए, मैंने सोचा कि अगर मैं इस पिच पर धीमी गेंदबाजी करूं, तो मुझे भी कुछ मदद मिल सकती है। मैं मिच मार्श या पूरन, किसी को भी तेज गेंदबाजी नहीं देना चाहता था, क्योंकि वे बड़े हिटर हैं और बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, मैंने धीमी गेंदबाजी की, लेकिन मैं अपनी गति में बदलाव भी करना चाहता था, ताकि मैं आसानी से पढ़ा न जा सकूं। अगर वे एक या दो छक्के लगा देते, तो पहले से बना सारा दबाव खत्म हो जाता, जिससे जीत के लिए जरूरी रनों का अंतर कम हो जाता।'

पिच सीम गेंदबाजों की मदद कर रही थी, क्योंकि नांद्रे बर्गर (27/2), जोफ्रा आर्चर (20/3) और बृजेश शर्मा (18/2) ने कसी हुई गेंदबाजी की और LSG की बैटिंग लाइनअप को तहस-नहस कर दिया। जडेजा ने इस मैच में अपने चार ओवरों का कोटा पूरा किया जबकि पिछले कुछ मैचों में वे ऐसा नहीं कर पाए थे।

पिछले मैच में KKR के खिलाफ शानदार गेंदबाजी (तीन ओवरों में 8/2) करने के बावजूद वे उस मैच में अपने चार ओवर पूरे नहीं कर पाए थे। पिछले कुछ मैचों में अपने ओवरों का कोटा पूरा न कर पाने के बारे में उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान पर आता हूं, तो मैं अपना निजी अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ आता हूं।'

जडेजा ने कहा, 'मैं बस इस बारे में सोचता हूं कि टीम मुझसे जिस भी तरह का योगदान चाहती है, मैं उसे पूरा करूं। जब बैटिंग की बात आती है, तो मैं इस मैच में पारी को आखिर तक ले जाना चाहता था, क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में कोई गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता, तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन पीछे रह जाते। ऐसे में LSG के लिए छोटे टारगेट का पीछा करना आसान हो सकता था। टी20 क्रिकेट में हर पिच, हर स्थिति और हर मैच का माहौल अलग होता है, इसलिए आपको उसी के हिसाब से खुद को ढालना पड़ता है। अगर किसी दिन टीम को लगता है कि किसी खास बैटर के खिलाफ मेरा मैच-अप नेगेटिव है, तो मैं उस बात को समझता हूं। हो सकता है कि यह काम कर जाए, या हो सकता है कि न करे; यह तो खेल का ही एक हिस्सा है।'

राजस्थान अभी पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है जिसके 7 मैचों में 10 पॉइंट्स हैं। अपने अगले मैच में शनिवार को उनका मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ (ईएमएस)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं। आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं। आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है। आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं। उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं। इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे। रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं। साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं। वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं। वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं।

अविनाश तिवारी ने फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी पर जताई चिंता

अभिनेता अविनाश तिवारी जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आएंगे। आज इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। अविनाश का मानना है मौजूदा वक्त में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी है। एक्टर का कहना है कि 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जैसी फैमिली एंटरटेनर बनती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की फिल्मों की कमी क्यों है?

संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है

'गिन्नी वेड्स सनी 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अविनाश तिवारी से बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इसके पीछे के कारणों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी फिल्में बन रही हैं और जो बन रही हैं वो हम जाकर देख भी रहे हैं और देखना भी चाहिए। लेकिन अगर मैं देखूं तो मुंबई में बहुत सारे प्रवासी हैं। लोग अलग-अलग जगहों से यहां आते हैं, दोस्तों और पार्टनर के साथ बाहर जाते हैं, इसलिए प्रवास के कारण संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है।

अविनाश के घर के बच्चों ने नहीं देखीं उनकी फिल्में

अभिनेता ने यह भी कहा कि टिकट की कीमतें भी हैं और हमने इस बैंडविड्थ में लोगों के लिए फिल्में बनाने के बारे में सोचना बंद कर दिया है। यहां तक कि अपने घर पर भी, मैंने अपनी भाभी से पूछा कि आपने बच्चों को मेरी कौन सी फिल्म दिखाई है। उन्होंने कहा, एक में तो तू पागल हो रहा है (लैला मजनू), एक में चुड़ैल आ गई (बुलबुल) तो ये बच्चे लोगों को कैसे दिखाएं। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे अपने घर के बच्चे मेरी फिल्में नहीं देख रहे हैं। इसने मुझे काफी प्रभावित किया। मैं भी बहुत दिखावा कर रहा था कि बहुत अलग-अलग काम किए हैं मैंने।

अविनाश ने याद करते हुए बताया कि आखिरी फिल्म जो उन्होंने अपने परिवार के साथ देखी थी वह 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी। उन्होंने कहा कि उसके बाद कितना समय हो गया है कोई ऐसी फिल्म आए जिसे परिवार के साथ जाकर देख सकें। मुझे नहीं पता कि हम इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। हम कहते हैं कि टिकट नहीं बिक रहे हैं, लेकिन अगर हम पारिवारिक फिल्म बनाएं, तो पूरा परिवार आने पर छह टिकट बिक जाते हैं। अगर मैं फिल्म बना रहा हूं, तो मैं इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देता, यह विचार क्यों नहीं आता, मेरी समझ से बाहर है।

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं

कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना - अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग-अलग होता है। जिन -जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।'

साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की 'तेरे मेरे सपने' और 'सनम हरजाई' जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह 'गुलमोहर' और 'रॉकेट्री-द नम्बी इफेक्ट' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री 'टूरिस्ट फैमिली' का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की 'गबरू' में नजर आएंगी।

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा

अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने 'जिद्दी गर्ल' और 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट और 'गुलमोहर' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। 'रॉकेट्री-द नम्बी' जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। 'टूरिस्ट फैमिली' भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी धमाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं।

मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है

सिमरन घर-परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड को चुनौतीपूर्ण कहूंगी , मगर साथ ही यह काफी खूबसूरत जिम्मेदारी भी है। पूरा दिन काम करने के बाद आपको घर जाने का इंतजार रहता है। घर जाकर आप पहला सवाल करते हैं, बेटा, तूने खाना खाया? कैसा था दिन?' मगर हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अपनी फैमिली और करियर के बीच संतुलन बनाए रख पा रहे हैं। मैं तो हमेशा काम करना चाहती हूं। मुझे रिटायरमेंट बहुत डरावना लगता है।'

बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में 'तेरे मेरे सपने' से की थी। इस फिल्म का , 'ओ लड़की आंख मारे' काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की 'सनम हरजाई' से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म 'गबरू' है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।'

रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं

तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, 'मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।'

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल यादव की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है। पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की। 'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन...'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी। भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं, जिससे आयातक का रिफंड भारतीय कंपनी के लिए असली नकदी या कीमतों में छूट में बदल जाता है। कीमतों पर फिर से बातचीत : जहां पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में टैरिफ को शामिल किया गया था, अब जब लागत कम हो गई है, तो भारतीय निर्यातक उन समझौतों पर फिर से बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। भविष्य के ऑर्डर और प्रतिस्पर्धी बढ़त : भारतीय कंपनियां इस अवसर का इस्तेमाल ज्यादा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नए ऑर्डर के लिए बातचीत करने में कर सकती हैं।

'होर्मुज में अस्थिरता का भारत पर सीधा असर', जर्मनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताई चिंता

बर्लिन, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की रुकावट भारत के लिए दूर की घटना नहीं है, बल्कि यह सीधा असर डालने वाली वास्तविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में 50 दिनों से ज्यादा समय से संघर्ष जारी है और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव भी पड़ रहा है। राजनाथ सिंह ने जर्मन संसद की रक्षा और सुरक्षा समिति को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीक में बदलाव से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलते हालात के अनुरूप होने के साथ नया दृष्टिकोण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने भारत और जर्मनी के रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया पर निर्भर है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य में कोई भी बाधा सीधे असर डालती है। उन्होंने बताया कि भारत ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनाई है और समन्वित दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर ने रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया है और यूरोपीय संघ के स्तर पर भी भारत के साथ सहयोग बढ़ रहा है। सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल खरीद कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह सह-निर्माण, सह-विकास और सह-नवाचार का अवसर है।

नासा रोवर की तस्वीरों में मंगल पर उड़ते दिखे कीड़े, फिर छिड़ी जीवन पर बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। नासा के रोवरों द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों में कथित रूप से पंखों वाले कीड़े, छिपकली जैसे जीव और शिकारी जैसे जीवन रूप दिखाई देने के दावों ने वैज्ञानिको का ध्यान खींचा है। हालांकि यह विचार बेहद रोमांचक है कि मंगल की सतह पर कीड़े उड़ रहे हों या धूल के बीच कोई जीव छिपा हो, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय का बड़ा हिस्सा इन दावों को लेकर काफी सतर्क और संशयपूर्ण है। विशेषज्ञों का कहना है कि मंगल सौरमंडल के सबसे अधिक अध्ययन किए गए ग्रहों में से एक है और अब तक वहां किसी जटिल जीव के अस्तित्व का ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हाल के दावे मुख्य रूप से नासा के मार्स रोवर, विशेषकर क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा ली गई तस्वीरों की व्याख्या से जुड़े हैं। कीट विज्ञानी विलियम रोमोसर ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रोवर छवियों का अध्ययन करते हुए दावा किया कि इनमें कीड़ों जैसे और सरीसृपों जैसे आकार दिखाई देते हैं। उन्होंने अपनी प्रस्तुति एविडेंस ऑफ एक्सटेंट इंसेक्ट-लाइक ऑर्गेनिज्म्स ऑन मार्स और उसके सप्लीमेंटल मैटेरियल में तर्क दिया कि कुछ आकृतियां पंख, पंखों की मोड़ संरचना और व्यवस्थित पैरों जैसी बनावट दिखाती हैं। रोमोसर का कहना था कि मंगल पर जीवन था और अब भी है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार, अपनी पहली यात्रा पर बोले राजनाथ सिंह

जर्मनी, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी पहुंचे, जहां उन्होंने बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों, भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव पर विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और जर्मनी के बीच लिविंग ब्रिज बताया और कहा कि हाल के वर्षों में यह समुदाय एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की तेज आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास को रेखांकित किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स, अंतरिक्ष और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय : अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले सात दशकों में भारत और जर्मनी के संबंध हर क्षेत्र में मजबूत हुए हैं। आज जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं और जर्मनी की अग्रणी कंपनियां भारत के औद्योगिक विकास व मेक इन इंडिया अभियान को गति दे रही हैं। दूसरी ओर, कई भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

जर्मनी में भारतीय की संख्या 3.7 लाख है : उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के द्वार भले ही सरकारों के हाथ में हों, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों की असली मजबूती लोगों के आपसी जुड़ाव से तय होती है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि इस पुल को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने बताया कि जर्मनी में भारतीयों की संख्या 3.7 लाख है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान ने जर्मनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रक्षा मंत्री की पहली आधिकरिक यात्रा : रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली आधिकारिक यात्रा है और वह वहां के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक उपलब्धि है कि समय के साथ भारत और जर्मनी के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और जर्मनी के लिए विशेष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के औपचारिक राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजली : उन्होंने आगे कहा कि भारत और जर्मनी केवल राजनीतिक और रणनीतिक संबंध ही साझा नहीं करते, बल्कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा उत्साह और जुड़ाव है। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें हम्बोल्ट विश्वविद्यालय जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरन दिखे हल्के-फुल्के पल : कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली यात्रा है, जबकि वह अमेरिका सात से आठ बार जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वह दो बार अमेरिका जा चुके हैं। इस पर श्रोताओं के हंसने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि लोग क्यों हंस रहे हैं, जबकि वह तो सभी से मिलकर प्रसन्न हैं। राजनाथ सिंह ने जर्मनी की वैश्विक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में जर्मनी का एक अलग सम्मान है। उन्होंने कहा कि जर्मनी की इस सफलता में वहां के मूल निवासियों का बड़ा योगदान है, लेकिन भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता।

अमेरिकी नौसेना के सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत पर संकट! भविष्य की योजना पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना ने अपने सबसे हाई-टेक और महंगे युद्धपोत फोर्ड-क्लास एयरक्राफ्ट कैरियर की डिजाइन और लागत की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। इस कदम ने इन आधुनिक विमानवाहक पोतों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नौसेना सचिव जॉन फेलन ने साफ किया कि यह समीक्षा व्यावहारिक और जरूरी है, जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इन जहाजों पर खर्च और तकनीक भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस समीक्षा के बाद फोर्ड-क्लास के भविष्य के जहाज रद्द हो सकते हैं, तो उन्होंने सीधे इंकार नहीं किया। उन्होंने कहा 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन विमानवाहक पोत हमारी रणनीति का अहम हिस्सा बने रहेंगे।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से इन जहाजों की तकनीक, खासकर मैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम की आलोचना करते रहे हैं। उनका दावा था कि यह तकनीक भरोसेमंद नहीं है। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड जून 2025 से 300 दिनों से अधिक समय तक तैनात रहा और कई अहम सैन्य अभियानों में शामिल हुआ। हालांकि, इतनी लंबी तैनाती के दौरान तकनीकी और संचालन से जुड़े कुछ मुद्दे भी सामने आए, जिससे इसकी क्षमता और लागत को लेकर बहस तेज हो गई है।

अमेरिकी सेना में बदलाव: अब सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन अनिवार्य नहीं, धार्मिक स्वतंत्रता का दिया गया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी स्वास्थ्य नीति में बड़ा बदलाव करते हुए सैनिकों के लिए फ्लू वैक्सीन को अब अनिवार्य नहीं रखा है। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी सैनिक अपनी इच्छा और धार्मिक आस्था के आधार पर वैक्सीन लेने या न लेने का निर्णय ले सकेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिक फ्लू वैक्सीन लेने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। उनका शरीर, आस्था और दृढ़ विश्वास पर समझौता नहीं किया जा सकता। हालांकि, सैन्य सेवाओं को वैक्सीन की अनिवार्यता जारी रखने का अनुरोध करने की अनुमति है। इसके लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है। अमेरिकी सेना में टीकाकरण कार्यक्रम अमेरिकी क्रांति के समय से चले आ रहे हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी के दौरान यह एक विवादास्पद राजनीतिक मुद्दा बन गया था। साल 2021 में कोविड-19 वैक्सीन अनिवार्य की गई थी। इसे मानने से इन्कार करने पर 8,400 से अधिक सैनिकों को सेना से बाहर कर दिया गया। हजारों अन्य ने धार्मिक और चिकित्सा छूट मांगी थी। कांग्रेस ने इस आदेश को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की। पेंटागन ने जनवरी 2023 में इस आदेश को वापस ले लिया। तब तक

नौसेना, वायु सेना और मरीन कॉर्प्स के करीब 99 फीसदी सैनिकों ने वैक्सीन लगवा ली थी। ट्रंप प्रशासन ने कोविड-19 वैक्सीन से इन्कार करने वाले सैनिकों को वापस सेवा में लाने की नीति बनाई। इसमें उन्हें पिछली तनख्वाह के साथ वापस लाने का प्रावधान था। हालांकि, बहुत कम सैनिकों ने इस नई नीति का लाभ उठाया है। पेंटागन ने मार्च में बताया कि 153 सैनिकों को बहाल किया गया है। हेगसेथ की टीम ने पिछले कई महीनों से इन सैनिकों को व्यक्तिगत रूप से उजागर किया है। फ्लू वैक्सीन आदेश को ऐसे समय में हटाया गया है जब फ्लू का मौसम गंभीर रहा है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ छह महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों को वार्षिक इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की सलाह देते हैं। ट्रंप प्रशासन बच्चों के लिए भी कुछ वैक्सीन की सिफारिशों को कम कर रहा है। कांग्रेस रिसर्च सर्विस की 2021 की रिपोर्ट में आठ अनिवार्य वैक्सीन सूचीबद्ध थीं। इनमें फ्लू, पोलियो, टिटनेस, खसरा और हेपेटाइटिस ए व बी शामिल थे।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया। अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

यूएस दौरे पर भारतीय सेना प्रमुख: द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

अमेरिका, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान-प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई।

द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान : फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है।

भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता : इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था। इस दौरान उनका जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। बाद में एयर चीफ मार्शल सिंह ने पेंटागन से ट्रॉय मिंक और जनरल केनेथ विल्सबैक में मुलाकात की। वार्ता के दौरान इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया गया।

अमेरिकी वायुसेना नेतृत्व ने कहा कि भारत के साथ रक्षा साझेदारी वॉशिंगटन की रणनीतिक प्राथमिकताओं में केंद्रीय स्थान रखती है। जनरल विल्सबाख ने बहुपक्षीय सैन्य अभ्यासों में भारत की सक्रिय भूमिका और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग का विस्तार क्षेत्रीय सुरक्षा और संतुलन मजबूत करने में अहम होगा।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है। ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम,

पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला

इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए। बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

युद्ध विराम विस्तार पर ट्रंप के दावे पर ईरान का जवाब क्या, पाक में शांति वार्ता कहां तक पहुंची?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां कूटनीति की धागे लगातार उलझते जा रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर बनी नाजुक सहमति अब डगमगाने लगी है और दोनों देशों के बीच भरोसे की खाई और गहरी होती दिख रही है। इसी बीच बड़ा राजनीतिक उलटफेर तब सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम को बढ़ाने के एलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने अमेरिका की शर्तों को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव, शर्त या धमकी के आधार पर बातचीत नहीं करेगा। हालांकि इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पाकिस्तान में शांति वार्ता की अटकलों के बीच ईरान का यह दो टूक अंदाज न सिर्फ कूटनीतिक टकराव को तेज करता है, बल्कि पहले से तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना देता है।

ईरान की दो टूक और ट्रंप का दावा समझिए : बता दें कि ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन शुरुआती संकेतों में ईरान ने अमेरिकी दावों पर शक जताया है और कहा है कि उसने संघर्षविराम बढ़ाने की कोई मांग नहीं की। आईआरआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने अमेरिका की बातचीत की शर्तों को स्वीकार नहीं

किया है। ट्रंप ने एकतरफा तरीके से युद्ध विराम को बढ़ाया है। दूसरी ओर मामले में युद्ध विराम को बढ़ाने का एलान करते हुए इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ईरान की सरकार अंदर से बंटी हुई है। इसलिए उसे एक साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करने का समय दिया जाना चाहिए। ट्रंप के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध के बाद लिया गया।

ट्रंप ने अपने एलान में क्या कहा था : बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकने का फैसला किया है। जब तक ईरान एक एकजुट प्रस्ताव नहीं देता, तब तक संघर्षविराम जारी रहेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना अपनी तैयारी बनाए रखेगी।

अभी क्या है युद्ध विराम की स्थिति : यह संघर्षविराम इस महीने की शुरुआत में बातचीत के लिए शुरू किया गया था, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसा कमजोर बना हुआ है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। इस बीच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल रोक दी गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों का कोई जवाब नहीं दिया है।

वे इज्जत बचाना चाह रहे.., ईरान और उसके नेताओं के खात्मे तक डील असंभव'; ट्रंप का इशारा क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख ने वैश्विक चिंता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज को लेकर ईरान सिर्फ इज्जत बचाने का खेल खेल रहा है। अपने बयान में ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे खुला रखना चाहता है। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईरान इस रास्ते से हर दिन लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपये) की कमाई करता है। ट्रंप ने ये बातें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में कही। जहां उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान केवल दिखावे के लिए यह कह रहा है कि वह इस जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है।

होर्मुज को लेकर फिर किया बड़ा दावा : अपने पोस्ट में एक बार फिर ट्रंप ने होर्मुज को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि असल में अमेरिका ने इस रास्ते को पूरी तरह से ब्लॉक (बंद) कर रखा है, इसलिए ईरान अपनी इज्जत बचाने के लिए ऐसी बातें कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर बताया कि ईरान तुरंत इस रास्ते को खोलना चाहता है। यानी, ईरान खुद भी समझता है कि यह रास्ता बंद रहने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ईरान को फिर ट्रंप की दो टूक, इशारा क्या : अपने पोस्ट में ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी चार दिन पहले कुछ लोग उनके पास आए और बताया कि ईरान चाहता है कि होर्मुज को तुरंत खोल दिया जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोल देता है, तो फिर ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं रहेगा। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में दो टूक अंदाज

में कहा कि ऐसी स्थिति में तब तक कोई डील नहीं हो सकती, जब तक ईरान और उसके नेताओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त कार्रवाई न की जाए। इस बात को ऐसे समझिए कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है। यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे बड़े तेल ट्रांजिट मार्गों में गिना जाता है। अनुमान है कि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, जिससे एशिया, यूरोप और अन्य देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में अगर यह जलडमरूमध्य किसी भी कारण से बंद होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई अचानक घट सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए स्थिति और गंभीर हो सकती है। यही वजह है कि होर्मुज सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। यहां पैदा होने वाला कोई भी संकट पूरी दुनिया में आर्थिक अस्थिरता और रणनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

धूम्रपान न करने वाले कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा फेफड़ों का कैंसर, रिसर्च में चौंकाने वाला दावा : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों में भी फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से यह भी सामने आया कि युवा धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में यह जोखिम पुरुषों की तुलना में अधिक देखा गया। यूएससी नॉरिस कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर और केक मेडिसिन ऑफ यूएससी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रवृत्ति फेफड़ों के कैंसर के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है और इसके पीछे पर्यावरणीय कारणों की गहराई से जांच की जरूरत है। अध्ययन में लगभग 187 ऐसे मरीजों का विश्लेषण किया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.